mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-182 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
03 जुलाई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

यूपी में मां ने पीसीएस अफसर बेटी पर एफआईआर कराई

कहा- काली कमाई के 15 लाख मेरे खाते में डाले, उसके भूमाफिया से कनेक्शन

सीमा चौधरी, DSO

सहारनपुर,एजेंसी। सहारनपुर में महिला PCS अफसर के खिलाफ उनकी मां ने FIR कराई है। 30 जून शाम 5 बजे मां मुनेश रानी की तहरीर पर सरसावा थाने में बेटी समेत 5 के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एलाइड PCS अफसर सीमा चौधरी (34) फिलहाल हापुड़ में जिला पूर्ति अधिकारी (DSO) के पद पर तैनात हैं। DSO की मां का आरोप है कि बेटी सीमा, संजीव कुमार चौधरी, राजेंद्र राणा, गंभीर और नरेश कुमार ने मिलकर उनकी जमीन पर कब्जा करने की साजिश रची। बेटी ने अपनी 'काली कमाई' छिपाने के लिए बिना अनुमति मेरा बैंक अकाउंट खुलवाया। खाते में 15 लाख रुपए डलवाए। पता चलने पर विरोध किया तो जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मोहाली में बच्चों के अंतिम संस्कार में पहुंची कातिल मां

लोगों ने चेहरा नहीं देखने दिया, कहा- तुझे ये हक नहीं; 3 बच्चे नहर में फेंके थे

मोहाली,एजेंसी। मोहाली में अपने तीन बच्चों को नहर में फेंकने वाली मां शकुंतला को अंतिम संस्कार के समय बच्चों का मुंह नहीं देखने दिया गया। परिजन ने कहा कि जिसने हत्या की, उसे मुंह देखने का हक नहीं। वह अपने भाई और भाभी के साथ ऑटो में श्मशान घाट पहुंची थी। मुंह न दिखाने पर शकुंतला ने कहा- मैंने कौन सी गलती की है। मैंने खुद भी उनके साथ ही छलांग लगाई थी। मुझे वहां मौजूद लोगों ने देख लिया था और तुरंत नहर से निकाल लिया। इसी कारण मैं बच गई। शंकुतला ने कहा कि जब से उसके पति कमल की मौत हुई है, तब से ससुराल पक्ष उसे परेशान कर रहा है। उसके साथ उसका देवर, सास, ससुर, ननद और नंदोई सभी मारपीट करते हैं। इसी वजह से वह परेशान रहती थी।

शकुंतला ने कहा कि वह इस मामले को लेकर अलग-अलग लोगों से मिली थी, लेकिन किसी ने भी उसकी मदद नहीं की। यहां तक कि वह परेशान होकर प्रधान के पास भी गई थी, लेकिन वहां से भी उसे कोई मदद नहीं मिली।

मोदी ने ताकाइची को छोटी बहन बताया

बोले: जापान की पहली महिला पीएम का भारत में स्वागत

» दोनों नेताओं ने निवेश सेमीकंडक्टर पर चर्चा की

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के साथ संयुक्त प्रेस बयान में उन्हें अपनी 'छोटी बहन' बताया। उन्होंने कहा कि ताकाइची की यह भारत की पहली यात्रा है और जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री का स्वागत करना खुशी की बात है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का रिश्ता लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि बैठक में निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, तकनीक, सप्लाई चेन और इंडो-पैसिफिक सहयोग पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने कई नई पहल पर सहमति बनाई है, जो रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। ताकाइची का प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहला भारत दौरा है। वह तीन दिन की यात्रा पर हैं और 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा ले रही हैं।

भारत-जापान बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी में सहयोग बढ़ाएंगे: मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और जापान ने तेल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए ऊर्जा सुरक्षा पर नई पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि दोनों देश बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे, जिससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी ने कहा कि भारत और जापान आर्थिक सुरक्षा को साझा सुरक्षा और ऊर्जा परिवर्तन को साझा अवसर मानते हैं। इसी दिशा में दोनों देशों ने इंडिया-जापान नेक्स्ट-जनरेशन मोबिलिटी पार्टनरशिप फ्रेमवर्क भी लॉन्च किया है।

भारत-जापान ने आर्थिक सुरक्षा का रोडमैप बनाया: मोदी ने कहा कि भारत और जापान ने आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मैटेरियल्स जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सप्लाई चेन को मजबूत किया जाएगा।

पीएम ने बताया कि दोनों देशों ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी कई अहम फैसले किए हैं। इंडिया-जापान बायोगैस इनिशिएटिव के तहत भारत में 1000 बायोगैस और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर प्लांट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे गोबरधन योजना को मजबूती मिलेगी और गांवों में टिकाऊ विकास, समृद्धि और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत पहले से बढ़ा रहा रुपए में कारोबार... संसद में सरकार ने बताया था कि अब तक 30 देशों के 123 विदेशी बैंकों के लिए भारत के 26 बैंकों में 156 विशेष रुपी वोस्त्रो खाते खोले जा चुके हैं। RBI का कहना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मजबूत विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी और रुपए का वैश्विक इस्तेमाल बढ़ेगा। जापान भी एशिया के दूसरे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। दिसंबर 2025 में उसने इंडोनेशिया के साथ भी ऐसा ही समझौता किया था, जिससे दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में सभी तरह के लेनदेन को बढ़ावा दिया जा सके।

बेंगलुरु में पत्थर खदान में चट्टान गिरी, 8 की मौत

● सभी मजदूर बिहार के रहने वाल ● हादसे के समय 18 लोग काम कर रहे थे

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान पर हुए हादसे में 8 मजूदरों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। घटना के दौरान 18 मजदूर का कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर गिरा। घटना में कई मजदूर घायल भी हुए हैं। सभी का निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शी बोला- पहाड़ी का हिस्सा कुछ ही सेकंड में ढह गया: एक्सकेवेटर चला रहे परशुराम ने बताया कि काम शुरू करने के लिए जैसे ही मैं मौके पर पहुंचे और मशीन चालू की, तभी पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता, लेकिन उस समय नीचे करीब 18 लोग काम कर रहे थे। हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। मलबे में दबे 4 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

एनडीए का मिशन 360, अब डीएमके-एनसीपी-सपा में सेंध की तैयारी

लोकसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पाने अब 41 सांसदों की जरूरत

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार सियासी तस्वीर बदलने के लिए 'मिशन 360' में जुटे हैं। 17 अप्रैल को महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े बिल पर लोकसभा में झटका लगने के बाद ही भाजपा ने संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की रणनीति तेज कर दी थी।

पार्टी का फोकस केवल इसी विधेयक तक सीमित नहीं बल्कि 'एक देश-एक चुनाव' और न्यायिक सुधारों जैसे बड़े संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी 'सुपर मेजोरिटी' हासिल करने पर है। इसके लिए भाजपा विपक्षी दलों में टूट, नए सहयोगी जोड़ने और जरूरत पड़ने पर मतदान के समय विपक्ष की गैरहाजिरी जैसे विकल्पों पर नजर रखे है। इसे संसद के मानसून सत्र तक पूरा करने का टारगेट है।

उद्धव गुट के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल... हाल ही में टीएमसी के 20 सांसदों के अलग होकर एनडीए को समर्थन करने और शिवसेना (उद्धव) के 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद इस कयास को और बल मिल गया है। हालांकि इस जोड़तोड़ के बावजूद दो-तिहाई बहुमत के लिए 41 और सांसदों की जरूरत है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था जम्मू से रवाना

सिर्फ रजिस्टर्ड श्रद्धालुओं को एंट्री मिली; बद्रीनाथ में 14.5 लाख, केदारनाथ में 13.75 लाख श्रद्धालु पहुंचे

देहरादून/श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुरुवार सुबह 4 बजे अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं को रवाना किया। श्रद्धालु 'बम-बम भोले' के जयकारों के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुए। 57 दिन की यात्रा 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्ते से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगी।

पहले जत्थे में सिर्फ उन्हीं श्रद्धालुओं को शामिल किया गया, जिन्होंने पहले से रजिस्ट्रेशन कराया था।

जिन्होंने RFID कार्ड बनवाया था और ई-केवाईसी पूरी की थी। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। 1 जुलाई तक बद्रीनाथ में 14.5 लाख और केदारनाथ में 13.75 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया... इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक करीब 4 लाख श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। प्रशासन ने सुरक्षा, मेडिकल, परिवहन और दूसरी जरूरी व्यवस्थाएं पहले ही पूरी कर ली हैं, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो सके। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को बेस कैंप पहुंचकर सुरक्षा, मेडिकल, ठहरने, बिजली-पानी, हेल्प डेस्क और दूसरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुंबई में भारी बारिश, समुद्र से दूर रहने की चेतावनी

15 फीट ऊंची लहरें उठ सकती हैं

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना,एजेंसी। महाराष्ट्र में मानसून आने के बाद चार जिलों में भारी बारिश हो रही है। मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में रेड अलर्ट है। मुंबई में पिछले 24 घंटे में 172एमएम बारिश हुई। बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) ने गुरुवार दोपहर समुद्र में करीब 15 फीट ऊंची लहरें उठने की चेतावनी दी है। लोगों को समुद्र से दूर रहने की सलाह दी गई है। मानसून ने गुरुवार को 7 दिन की देरी से राजस्थान और 5 दिन की देरी से दिल्ली में एंट्री ली। दिल्ली में आज सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। राजस्थान के जयपुर-दौसा समेत 25 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

इधर, मध्य प्रदेश के 7 जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। इंदौर में बारिश में कार नाले में गिर गई। सीहोर में बारिश के तेज बहाव में बाइक भी बह गई। खराब मौसम के चलते उत्तराखंड में केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। बिहार, यूपी में बिजली गिरने से 3-3 और झारखंड में 2 लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल और जीआरपी थाने में पानी घुस गया।

राममंदिर चोरी

आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी

● चंपत राय पर एफआईआर के लिए वकीलों का प्रदर्शन ● ट्रस्टी बोले- गलती गोपाल राव की

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पहली बार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा- पूरी गलती गोपाल राव की है। वे राजनीति कर रहे हैं। वो सबको उलझा देते हैं। वो राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर के निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य थे। मूल रूप से कर्नाटक के रहने वाले हैं। इस बीच, सुबह 11.45 बजे अयोध्या में 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर स्नढ्ढक्र की मांग कर नारेबाजी करने लगे। सिविल लाइन चौकी जाकर उन तीनों समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी। अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने बताया- पुलिस का कहना है कि स्नढ्ढक्र दर्ज की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी के आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त एक्शन लेने जा रही है। प्रशासन ने आरोपियों के नए घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। अयोध्या विकास प्राधिकरण (ष्ठ) ने ऐसे घरों की पहचान कर ली है, जिनका नक्शा पास नहीं है या जिन्होंने नियम तोड़े।

आरोपी अविनाश को रिमांड में लेगी पुलिस, कोर्ट में अर्जी डाली... चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ करने के लिए गुरुवार को अयोध्या पुलिस ने कोर्ट में रिमांड अर्जी दाखिल की है। इससे पहले, मंगलवार को पुलिस ने जेल में जाकर भी अविनाश शुक्ला से पूछताछ की थी। अविनाश अयोध्या में जिस घर में योग केंद्र चलाता था, वहां से पुलिस को लोहे का एक संदूक मिला था। इसमें रामराज्य कोष लिखा था।

ममता से अलग बागी गुट बोला- हम असली टीएमसी हैं

● चुनाव आयोग से मुलाकात की ● ऋतब्रत ने कहा- चुनाव आयोग जल्द फैसला ले

नई दिल्ली/कोलकाता,एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने गुरुवार दोपहर 12 बजे नई दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की। बागी गुट का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला।

विधायकों ने पार्टी में हुए संगठनात्मक बदलावों और नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी (NWC) को मान्यता देने की मांग की। मुलाकात के बाद बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा- हम ही असली TMC हैं, चुनाव आयोग ने हमारी बात सुनी, उम्मीद है वे जल्द फैसला लेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में 22 जून को कोलकाता में प्रतिनिधि बैठक हुई थी। इसमें नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था।

ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हुए 58 विधायक: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को TMC के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। इसके अलावा 15 जून को टीएमसी के 20 सांसदों ने भी पार्टी छोड़कर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय कर लिया था।

30 जून 2022 को शिंदे भाजपा के समर्थन से सीएम बन गए। फिर दोनों गुट एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने सुप्रीम कोर्ट गए। कोर्ट ने फैसला स्पीकर राहुल नार्वेकर पर छोड़ दिया।

बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसी बगावत... 20 जून 2022 को महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 में से 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ गए। तब उद्धव सीएम थे। राज्यपाल ने उन्हें फ्लोर टेस्ट को कहा। उद्धव सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट नहीं रोका तो उद्धव ने इस्तीफा दे दिया।

राजस्थान के सरिस्का में दिखा सफेद मोर:

सोने की तरह चमकता 'गोल्डन सांभर'; प्रदेश में

अलवर,एजेंसी। राजस्थान में बाघ-बाघिन का घर इन दिनों नए और अनोखे मेहमानों से गुलजार है। अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व के इतिहास में पहली बार दो बेहद दुर्लभ जीव देखे गए हैं। इनमें से एक 'सफेद रंग का मोर' है, तो दूसरा धूप में सोने की तरह चमकता 'गोल्डन सांभर'। इससे पहले प्रदेश के किसी भी फॉरेस्ट में सफेद मोर नहीं देखा गया है। दिलचस्प बात यह है कि कभी (18 साल पहले) पूरी तरह 'टाइगर विहीन' हो चुके सरिस्का में बाघों का कुनबा भी बढ़कर अब 56 हो गया है। इस अभूतपूर्व सफलता और तेजी से बढ़ती संख्या पर रिसर्च करने के लिए देश भर के वन विभाग के अधिकारी पिछले कुछ दिनों से अलवर में डेरा डाले हुए हैं।

टाइग्रेस एसटी-19 के बफर जोन में दिखा 'सफेद मोर': यह दूधिया सफेद रंग का मोर सरिस्का के बफर जोन (बाला किला और गंगोडी इलाके के आस-पास) में जून के पहले सप्ताह में देखा गया है। सबसे पहले जंगल में ट्रैकिंग करने वाले वनकर्मियों ने इसे देखा था, लेकिन तब फोटो नहीं ली जा सकी। बाद में ओडिशा के एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ने इसकी खूबसूरत तस्वीरें कैमरे में कैद कीं। अब पर्यटकों को इस जोन में बाघिन स्ञ्ज-19 और अन्य 12 बाघों के साथ इस दुर्लभ मोर के भी दीदार होंगे। सरिस्का के जंगल ने 'कम समय में ज्यादा शावकों' को जन्म देने का एक अनोखा नेशनल रिकॉर्ड बना दिया है। पिछले 3 साल के भीतर यहां 4 अलग-अलग बाघिनों ने एक बार में 4-4 शावकों को जन्म दिया है।

करीब 90 बाघों वाले सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में भी ऐसा रिकॉर्ड नहीं है।

धूप में चमकता 'गोल्डन सांभर'... दूसरा अनोखा मेहमान है 'गोल्डन सांभर'। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसे सामने से देखने पर धूप में इसका शरीर बिल्कुल सोने की तरह चमकता हुआ दिखाई देता है। टाइगर एक्सपर्ट निरंजन सिंह कहते हैं- सफेद मोर और गोल्डन सांभर का दिखना बेहद खास है। इनके रंग में यह दुर्लभ बदलाव पिगमेंटेशन या हार्मोन्स में गड़बड़ी (जीनेटिक म्यूटेशन) के कारण हो सकता है।

अडानी एमएससी विझिंजम पोर्ट डील के लिए राज्य सरकार की मंजूरी जरूरी: सीएम सतीशन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कहा कि अडानी ग्रुप के विझिंजम पोर्ट के 49 प्रतिशत शेयर स्विट्जरलैंड की मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी को ट्रांसफर करने के कदम के लिए राज्य सरकार की पहले से मंजूरी जरूरी है. विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन की एक अर्जी और जेवियर चिट्टिलापिल्ली के एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने साफ किया कि हालांकि सरकार को रिपोर्ट के बारे में पता है, लेकिन अडानी ग्रुप ने न तो उनसे संपर्क किया है और न ही अभी तक इजाजत मांगी है. यूरोप की बड़ी शिपिंग कंपनी एमएससी, अडानी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के लगभग आधे शेयर खरीद रही है. एमएससी, कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी 1.397 बिलियन डॉलर, लगभग 13270 करोड़ रुपये में खरीद रही है, जिसकी अनुमानित वैल्यूएशन 2.85 बिलियन डॉलर, लगभग 27000 करोड़ रुपये है. एमएससी के पोर्ट ऑपरेटिंग डिवीजन टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड की सब्सिडियरी मुंडी लिमिटेड, शेयर ले रही है. केरल और भारतीय पोर्ट सेक्टर में सबसे बड़े विदेशी निवेश को दिखाते हुए, इस डील में टीटीएल शामिल हुई है, जो पांच महाद्वीपों में 100 से ज्यादा कंटेनर टर्मिनल चलाती है और जिसकी सालाना कार्गो हैंडलिंग कैपेसिटी 70 मिलियन टीईयूएस (बीस फुट समतुल्य इकाई) से ज्यादा है. गुजरात के मुंद्रा पोर्ट और तमिलनाडु के एन्नोर पोर्ट पर उनकी पार्टनरशिप के बाद, यह भारत में अडानी ग्रुप और एमएससी के बीच तीसरा सहयोग है. समझौते की शर्तों के मुताबिक, अडानी ग्रुप राज्य सरकार की मंजूरी के बिना स्वामित्व संरचना में बदलाव नहीं कर सकता. चूंकि पोर्ट 2080 में पूरी तरह से राज्य सरकार को सौंप दिया जाना है, इसलिए बड़े विदेशी निवेश के बारे में कोई भी बातचीत तभी आगे बढ़ सकती है जब सरकार इस प्रक्रिया में सक्रिय पार्टनर हो. क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे जरूरी है, इसलिए डील के लिए केंद्रीय शिपिंग और गृह मंत्रालयों से मंजूरी भी जरूरी है. मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि राज्य सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक हित, प्रतिस्पर्धी तरीकों, निवेश को बढ़ावा देने, दूर की सोचने वाले लक्ष्यों और राज्य के राजस्व हितों को सुरक्षित रखते हुए ही अडानी एमएससी समझौते को मंजूरी देगी. विझिंजम पोर्ट पर विकास गतिविधियों का दूसरा चरण अभी तेजी से चल रहा है. इस फैसिलिटी की अभी कंटेनर हैंडलिंग कैपेसिटी 1.6 मिलियन ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स है. दिसंबर 2028 तक विकास का काम पूरा होने की उम्मीद है, और यह कैपेसिटी साढ़े तीन गुना बढ़कर 5.7 मिलियन टीईयूएस तक पहुंचने का अनुमान है. एसएससी के साथ सहयोग से विझिंजम में ज्यादा कंटेनर आने में आसानी होगी और आधारभूत संरचना में काफी सुधार होगा, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रीमियर ट्रांसशिपमेंट हब के तौर पर पोर्ट की जगह पक्की हो जाएगी. विधायक साजी चेरियन के एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पोर्ट बनने से बेघर हुए और प्रभावित हुए लोगों के लिए एक खास पुनर्वास पैकेज लागू किया जाएगा. अभी एक या दो सेंट के तंग प्लॉट में रहने वाले मछुआरों को अच्छी सुविधाओं वाले फ्लैट या घर दिए जाएंगे. ये कोशिशें ओमन चांडी सरकार के समय में घोषित 475 करोड़ रुपये के पुनर्वास पैकेज के आधार पर आगे बढ़ रही हैं. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की नीति जलवायु परिवर्तन और समुद्री कटाव के असर से परेशान तटीय समुदायों को मजबूती से समर्थन करना है. विधायक नजीब कंथापुरम के एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विझिंजम पोर्ट को एकेडमिक सेक्टर से जोड़ने के लिए एक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का मैरीटाइम म्यूजियम बनाया जाएगा. यह म्यूजियम नई पीढ़ी को पुर्तगाली, डच और ब्रिटिश जमाने के नेवी इतिहास के साथ-साथ कुंजली मरक्कर की महान लड़ाई की भावना के बारे में बताने का काम करेगा।

विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं, बल्कि योद्धा थे

मोहन भागवत ने विस्थापितों के संघर्ष को सराहा

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि 1947 के विभाजन के बाद भारत आने वाले लोग शरणार्थी नहीं थे, बल्कि 'संघर्ष के योद्धा' थे जिन्होंने मातृभूमि और धर्म के प्रति प्रेम के कारण कठिनाइयों और दर्द को झेला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पाकिस्तान में अपनी संपत्ति और व्यवसाय छोड़कर भारत आने का निर्णय लिया। भागवत नागपुर में सिंधु एजूकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस सोसाइटी का संचालन सिंधी समाज की ओर से किया जाता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विभाजन के बाद इन लोगों ने जानबूझकर भारत आने का निर्णय लिया, क्योंकि वे उस भूमि में रहना चाहते थे जहां वे बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सकें। उन्होंने कहा- 'वे शरणार्थी नहीं थे, हालांकि वे विस्थापित थे। वे योद्धा थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम के चलते कष्ट झेला। उन्होंने करियर या धन नहीं, बल्कि देश और धर्म को चुना।' जीवन की कठिनाइयों पर उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए किसी को हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि फिर से उठने का प्रयास करना चाहिए। अंततः सफल भी वही होता है।

उन्होंने सिंधु एजूकेशन सोसाइटी की 75

दिल्ली में मानसून की दस्तक: यूपी में वज्रपात से आठ लोगों की मौत, एनसीआर समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में मानसून ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते कहीं राहत तो कहीं भीषण आफत देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून देश की राजधानी दिल्ली में दस्तक दे चुका है। वहीं, पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने के कारण अलग-अलग जिलों में आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। बुधवार को प्रदेश भर मानसून की दस्तक से जहां राहत महसूस की गई, वहीं वज्रपात व घर गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। सुलतानपुर व मुरादाबाद में चार लोगों की मौत धान की रोपाई करते हुए हुई। बलिया में दो लोगों की वज्रपात से मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से झुलसा है। एक अन्य घटना में ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। वाराणसी में भी वज्रपात से एक मौत व्यक्ति की मौत की सूचना है। अलीगढ़ में छज्जा गिरने से एक वृद्धा घायल हो गई। यहां सीढ़ियों के मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई राज्यों के लिए भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। काफी इंतजार के बाद आखिरकार दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण मानसून आज दिल्ली की सीमा में प्रवेश कर जाएगा। राजधानी और आसपास के इलाकों (नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद) में सुबह से ही घने बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो चुका है।

इन राज्यों में अलर्ट जारी: उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, और पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में भी मानसून पूरी तरह सक्रिय है, जिसके चलते निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में भी मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर समेत बड़े शहरों में जलभराव हो सकता है, जिससे सुबह और शाम के पीक आवर्स में ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है।

फुटपाथ पर चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार, अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं', हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित तरीके से चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। पैदल लोगों के लिए बनाए गए फुटपाथों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने लुधियाना नगर निगम को शहर के फुटपाथों पर अतिक्रमण की शिकायतों की तत्काल जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने यह आदेश जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका लुधियाना के जसबीर सिंह ने दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि शहर में फुटपाथों की हालत बेहद खराब है और बड़ी संख्या में उन पर अतिक्रमण हो चुका है, जिससे लोगों को मजबूरन व्यस्त सड़कों पर चलना पड़ता है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच नगर निगम और अन्य संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायतें और ज्ञापन दिए गए, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। फुटपाथों पर रेहड़ी-फड़ी वालों और अन्य अवैध कब्जों के कारण पैदल चलना मुश्किल हो गया है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया।

अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत, उपराज्यपाल ने जम्मू से पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को जम्मू से श्री अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। इसके साथ ही, इस सालाना यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के जत्थे को रवाना करने से पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सांसद जुगल किशोर शर्मा, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा और भाजपा विधायक अरविंद गुप्ता मौजूद रहे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हर-हर महादेव। बाबा बर्फानी के पवित्र धाम की यात्रा का शुभारंभ हो चुका है। जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

' उन्होंने आगे लिखा, 'श्री अमरनाथ जी की यात्रा एक आध्यात्मिक जागृति है। इस पवित्र रास्ते पर उठाया गया हर कदम बाबा अमरनाथ के प्रति अटूट विश्वास और समर्पण का प्रमाण है। सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित, मंगलमय और आध्यात्मिक आनंद से परिपूर्ण हो, ऐसी कामना है। भगवान शिव हम सभी पर कृपा बनाए रखें। ' भाजपा सांसद जुगल किशोर शर्मा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'इस बार यात्रा में पहले से अधिक तीर्थयात्रियों की संख्या नजर आती है। यहां व्यवस्थाओं की भी कोई कमी नहीं है। प्रशासन ने सभी व्यवस्थाएं की हैं। खासकर नगर निगम, पर्यटन विभाग, पुलिस और कई अन्य सरकारी एजेंसियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम किया है कि श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं। ' उन्होंने कहा कि देशभर से श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं। इसके साथ ही, भाजपा सांसद ने कहा, 'मैं सभी से अपील करना चाहता हूं कि वे बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए आएं और उनका आशीर्वाद लें। ' विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि तीर्थयात्रियों में अमरनाथ यात्रा को लेकर जोश और उत्साह है। आज पहला जत्था रवाना हुआ है। 28 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा के लिए हम बाबा बर्फानी से कामना करते हैं कि देश के अनेक प्रांतों से आए हुए श्रद्धालुओं की यात्रा को सुखद और सफल बनाएं। सुनील शर्मा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा बहुत ही अनोखी यात्रा है। पूरे विश्व में इस तरह की यात्रा कहीं और नहीं है। इस धरती पर यह एक पवित्र स्थान है, जहां बाबा बर्फानी साक्षात दर्शन देते हैं। भाजपा विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा, 'यह मेरे लिए गौरव का पल है कि मुझे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ अमरनाथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने का अवसर मिला।

इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में

दिल्ली में ईसीआई की फुल बेंच से मिलेगा टीएमसी का बागी गुट, पार्टी के चुनाव चिह्न के लिए पेश करेगा दावा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के भीतर जारी सियासी घमासान अब चुनाव आयोग की चौखट तक पहुंच गया है। पार्टी के बागी गुट ने अब आधिकारिक तौर पर पार्टी के चुनाव चिह्न और फंड पर अपना दावा पेश करने की तैयारी कर ली है। इसी सिलसिले में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी विधायक दल के 10 बागी विधायक गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के मुख्यालय में आयोग की पूर्ण पीठ (फुल बेंच) से मुलाकात करेंगे। बागी गुट ने पहले ही इस मामले में चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगा था। ऋतब्रत बनर्जी ने बताया कि आयोग ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए गुरुवार को सुनवाई के लिए समय तय किया है। इसी बैठक में बागी गुट अपने पक्ष में कानूनी और राजनीतिक दलीलें रखेगा। इसके लिए सभी विधायक बुधवार की शाम को ही कोलकाता से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों ने 22 जून को पार्टी की नई नेशनल वर्किंग कमेटी का गठन किया था। इस समिति में कुल 30 सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 10 सदस्यों की एक अलग उप-समिति भी बनाई गई। सबसे बड़ा फैसला यह रहा कि नई समिति में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया। उनकी जगह वरिष्ठ टीएमसी विधायक अरूप रॉय को राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया। इसके बाद से पार्टी के भीतर विवाद और तेज हो गया। बागी गुट की ओर से वकीलों की एक टीम पहले ही चुनाव आयोग के समक्ष सभी प्रस्ताव, कानूनी दस्तावेज और जरूरी कागजात जमा करा चुकी है। अब गुरुवार की बैठक में इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश की जाएगी। वर्तमान में पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के कुल 80 विधायक हैं। बागी गुट का दावा है कि इनमें से 60 विधायक उनके साथ हैं, जबकि 20 विधायक अब भी ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ खड़े हैं।पूरे विवाद का सबसे अहम मुद्दा पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर अधिकार का है। 1968 के चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश के अनुसार, किसी क्षेत्रीय दल को अपना चुनाव चिह्न बनाए रखने के लिए राज्य में पड़े कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत वोट और कम से कम दो विधायक होना जरूरी है। बागी गुट का दावा है कि उनके साथ 60 से अधिक विधायक हैं।

उनका कहना है कि यदि

क्या पनामा नहर पर कब्जा कर रहा चीन ट्रंप ने दी खुली चेतावनी, बोले- ऐसा कभी नहीं होने देंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर पनामा नहर और चीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण सौंपकर बड़ी गलती की थी और अब चीन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका ऐसा हरगिज नहीं होने देगा। उन्होंने यह बयान नॉर्थ डकोटा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह के दौरान दिया। इस दौरान उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता और राष्ट्रपति की शक्तियों पर भी अपनी राय रखी। ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा को सौंपा तो उसके बाद वहां से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क कई गुना बढ़ा दिया गया। उनके अनुसार, इससे पनामा को भारी आर्थिक फायदा हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि अब चीन इस अहम समुद्री मार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने रणनीतिक हितों से जुड़ा यह मुद्दा किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं करेगा।

पनामा नहर को लेकर चीन पर क्यों साधा निशाना: ट्रंप ने कहा कि पनामा नहर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। उनका दावा है कि चीन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका चीन को पनामा नहर पर नियंत्रण या प्रभाव स्थापित नहीं करने देगा। उन्होंने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा को सौंपने के पुराने फैसले को गलत बताया। ट्रंप के अनुसार, नियंत्रण मिलने के बाद पनामा ने जहाजों से वसूले जाने वाले ट्रांजिट शुल्क में कई बार बढ़ोतरी की। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका के हितों को नुकसान हुआ और पनामा को आर्थिक फायदा मिला।

कतर की मध्यस्थता रंग लाई: दोहा में रू -ईरान वार्ता से बढ़ी उम्मीद, 14 सूत्रीय समझौते पर हुई सकारात्मक चर्चा

दोहा, एजेंसी। कतर के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार कतर और पाकिस्तान ने दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के साथ अलग-अलग बैठकें संपन्न कीं। जिनमें 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) से संबंधित मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई।

प्रधानमंत्री के सलाहकार ने क्या बताया: गुरुवार को एक एक्स पोस्ट में कतर के प्रधानमंत्री के सलाहकार और विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता माजेद अल अंसारी ने कहा कि वार्ता लेक ल्यूसर्न शिखर सम्मेलन के परिणामों पर आधारित थी। यह ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता के अंतिम यात्रा के बाद जारी रहेगी।

बैठक में क्या हुआ: तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम रारीबाबादी ने कहा 'हमने दोहा बैठक में लेबनान में प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में अमेरिका की विफलता का मुद्दा उठाया था।' उन्होंने आगे कहा कि कतर के अधिकारियों के साथ बैठकों में 6 अरब अमेरिकी डॉलर के एक हिस्से के खर्च से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही इस बैठक में यह सहमति हुई कि घोषित जरूरतों के आधार पर, आवश्यक वस्तुओं की खरीद की जाएगी। उन्हें ईरान के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।'

पूर्व सर्वोच्च नेता की अंतिम यात्रा कब से है: ईरानी अधिकारी पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की अंतिम यात्रा 4 से 9 जुलाई तक ईरान और इराक के अलग- अलग स्थानों पर करने की योजना हैं। बता दें कि खामेनेई की मृत्यु 28 फरवरी को ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध के पहले दिन एक हवाई हमले में हुई थी। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह चल रहा है। कतर में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों की भागीदारी वाली उच्च स्तरीय वार्ता से ईरान की अनुपस्थिति के बावजूद इस्लामिक गणराज्य के साथ राजनयिक प्रक्रिया के बारे में आशावाद व्यक्त किया था। नवनिर्मित थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी का दौरा करने के लिए नॉर्थ डकोटा रवाना होते समय पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों के जवाब में इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ हाल ही में की गई सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या कहा: अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि हालिया हमलों के बाद ईरान ने अपना रुख बदल लिया है। तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए, ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। अन्यथा, हम जिन चीजों की जांच करते हैं, जो भी कार्रवाई करते हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि देश में पहले कभी इस तरह की गतिविधि नहीं हुई है जैसी कि अभी हो रही है।'

अमेरिका फर्स्ट ही भविष्य : आजादी की 250वीं वर्षगांठ से पहले ट्रंप ने और क्या कहा रूजवेल्ट का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपनी आजादी की 250वीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने देशवासियों को एक बड़ा राजनीतिक और वैचारिक संदेश दिया है। नॉर्थ डकोटा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में ट्रंप ने कहा कि सरकार का पहला कर्तव्य केवल अमेरिकी लोगों की सेवा करना है और यही 'अमेरिका फर्स्ट' की असली भावना है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के जीवन और विचारों को अमेरिका के भविष्य के लिए प्रेरणा बताया। ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिका के 250वें वर्ष में देश को अपने इतिहास, साहस और राष्ट्रभक्ति को फिर से याद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ऐतिहासिक और वीर राष्ट्र है, जिसने हमेशा कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। ट्रंप ने कहा कि थियोडोर रूजवेल्ट ने कभी हार नहीं मानी और वही जज्बा आज के अमेरिका को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता, साहस और राष्ट्रीय हित किसी भी मजबूत राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं।

'अमेरिका फर्स्ट' क्यों बताया सबसे बड़ी प्राथमिकता: ट्रंप ने कहा कि यदि अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा का आज भी कोई अर्थ है, तो वह यही है कि सरकार केवल अमेरिकी जनता के हित में काम करे। उन्होंने कहा कि 'अमेरिका फर्स्ट' कोई नारा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। ट्रंप के अनुसार, राष्ट्रीय हित को दलगत राजनीति, विशेष हित समूहों और पहचान की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की हर नीति का केंद्र अमेरिकी नागरिक होने चाहिए।

थियोडोर रूजवेल्ट की विरासत का क्यों किया जिक्र: ट्रंप ने कहा कि थियोडोर रूजवेल्ट ऐसे नेता थे, जिन्होंने साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने रूजवेल्ट के उस विचार का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि कायरों के हाथों में स्वतंत्रता लंबे समय तक नहीं टिक सकती। ट्रंप ने कहा कि रूजवेल्ट ने देश के विकास, पर्यावरण संरक्षण, श्रमिकों के हित और राष्ट्रीय एकता के लिए काम किया।

क्या 250वीं वर्षगांठ को नए राजनीतिक संदेश से जोड़ रहे हैं ट्रंप: अपने भाषण में ट्रंप ने अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ को केवल एक ऐतिहासिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करने का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह समय उस अदम्य भावना को फिर से अपनाने का है, जिसने अमेरिका को दुनिया की प्रमुख शक्तियों में शामिल किया। ट्रंप ने कहा कि देश को महत्वाकांक्षा, नवाचार और राष्ट्रभक्ति के रास्ते पर आगे बढ़ना होगा ताकि भविष्य की चुनौतियों का मजबूती से सामना किया जा सके।

रूजवेल्ट को कम्युनिज्म का विरोधी बताकर क्या संदेश दिया

ट्रंप ने थियोडोर रूजवेल्ट को कम्युनिज्म का कट्टर विरोधी बताते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी विचारधाराओं के खिलाफ हमेशा आवाज उठाई थी, जो सभ्यता और स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी स्वतंत्र सोच, लोकतांत्रिक व्यवस्था और बड़े लक्ष्य हासिल करने की महत्वाकांक्षा में निहित है। उन्होंने कहा कि देश को आगे भी इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

थानों में लंबित केस, मैदान में जनचौपाल!

पुलिस की प्राथमिकताओं पर जनता के तीखे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश में चल रहे आप की पुलिस आपके द्वार जैसे जनसंपर्क कार्यक्रमों को लेकर अब आम नागरिकों के बीच बहस तेज होती जा रही है। एक ओर पुलिस विभाग इन आयोजनों को जनता से संवाद विश्वास और कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल बता रहा है वहीं दूसरी ओर कई स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अपराध नियंत्रण लंबित मामलों के निराकरण और नशे के खिलाफ कठोर कार्रवाई को अधिक प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश के अनेक थानों में बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं उनका मानना है कि यदि पुलिस बल का अधिक समय और संसाधन विवेचना, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तथा अपराधियों के विरुद्ध अभियान में लगाया जाए तो आम जनता को उसका सीधा लाभ मिलेगा। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि जनचौपाल जैसे कार्यक्रमों की व्यवस्थाएं भी अक्सर थाना स्तर पर ही कराई जाती हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यदि इन आयोजनों के लिए अलग बजट उपलब्ध नहीं है तो व्यवस्थाओं का आर्थिक बोझ किस प्रकार वहन किया जाता है। इस विषय पर विभाग को पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए ताकि किसी प्रकार की शंका की स्थिति न बने। लोगों का कहना है कि पुलिस बल पहले से ही कई स्थानों पर सीमित संसाधनों और स्टाफ की कमी के बीच कार्य कर रहा है। ऐसे में कानून-व्यवस्था, विवेचना, गश्त, न्यायालयीन कार्य और जनसंपर्क कार्यक्रम सभी जिम्मेदारियों का संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। नागरिकों का सुझाव है कि जनसंपर्क के साथ-साथ प्रत्येक थाने में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा, फरार आरोपियों की धरपकड़ और गंभीर अपराधों के त्वरित निराकरण पर विशेष अभियान चलाया जाए। कुछ नागरिकों ने यह भी सवाल उठाया कि चर्चित मामलों में यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई हो तो अपराधियों का मनोबल स्वत: कमजोर होगा उनका कहना है कि पुलिस की कार्रवाई जितनी तेज और निर्णायक होगी अपराधियों को कानून से बच निकलने का अवसर उतना ही कम मिलेगा इसी के साथ शहर में बढ़ते नशे को लेकर भी लोगों ने गहरी चिंता व्यक्त की है। नागरिकों का कहना है कि युवाओं को नशीली दवाओं कफ सिरप और अन्य मादक पदार्थों की गिरफ्त से बचाना आज सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है उनका आरोप है कि कुछ क्षेत्रों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं लोगों की मांग है कि ऐसे मामलों में छोटे विक्रेताओं तक सीमित रहने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच कर मुख्य तस्करों तक कार्रवाई पहुंचनी चाहिए यदि कहीं अवैध बिक्री की शिकायतें हैं तो उनका सत्यापन कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। जनप्रतिनिधि समय-समय पर विकास सुशासन और नशामुक्त समाज की बात करते हैं ऐसे में आम नागरिकों की अपेक्षा है कि पुलिस और प्रशासन भी अपराध नियंत्रण ,लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण नशे के अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई और जनता के साथ सम्मानजनक व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। लोगों का मानना है कि जब थाने मजबूत होंगे अपराधियों पर समयबद्ध कार्रवाई होगी और आम नागरिक बिना भय के अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे तभी पुलिस और जनता के बीच विश्वास का रिश्ता और अधिक मजबूत होगा। जनचौपाल निश्चित रूप से उपयोगी पहल हो सकती है लेकिन उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना वही होगा जब उसका प्रभाव थानों की कार्यप्रणाली अपराध नियंत्रण और जनता को मिलने वाले न्याय में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

मऊगंज में 7 फरार आरोपियों पर इनाम घोषित, पुलिस ने की सूचना देने की अपील

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में फरार चल रहे सात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मऊगंज पुलिस ने इनाम घोषित किया है गुरुवार शाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आरोपियों के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित थाना या जिला पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दें पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा नियमानुसार इनाम की राशि भी प्रदान की जाएगी।

जानकारी के अनुसार थाना लौर के अपराध क्रमांक 442/26 में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8, 21, 22 एवं 5/13 के तहत फरार रंजना साकेत पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है इसी तरह थाना हनुमना के अपराध क्रमांक 482/26 में दर्ज मामले में तीन आरोपियों सोनू उर्फ सोहनलाल कुशवाहा (32), लालमणि कुशवाहा (37) और रामप्रसाद कुशवाहा (55) पर प्रत्येक पर 2-2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। वहीं थाना मऊगंज के अपराध क्रमांक 250/26 में आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत दर्ज मामले में शैलेन्द्र उर्फ शीलू सिंह (40), प्रिंस उर्फ हरिकेश सिंह (29) और अवधेश जैसवाल (52) फरार हैं जिन पर प्रत्येक पर 5-5 हजार रुपये का इनाम रखा गया है पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है अधिकारियों ने कहा कि सूचना देने वाले नागरिकों की पहचान सुरक्षित रखी जाएगी और उन्हें नियमानुसार इनाम भी दिया जाएगा।

सिंगरौली में 25 हेक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण मुक्त, अवैध कब्जे हटाकर होगा पौधारोपण

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के कर्थुआ वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने गुरुवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को कब्जामुक्त कराया प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी में दिलरी एवं नौगई गांवों में लंबे समय से वन भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कई कच्ची झोपड़ियों और मकानों को हटाकर जमीन को वन विभाग के कब्जे में लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दिलरी गांव में लगभग 10 हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई झोपड़ियों को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं नौगई गांव में नल-जल योजना से प्रभावित भूमि के बदले वन विभाग को हस्तांतरित 15 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र पर भी अवैध कब्जे पाए गए थे विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए यहां बने कच्चे मकानों और अन्य अस्थायी निर्माणों को हटवा दिया। अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अचानक नहीं की गई संबंधित लोगों को पहले कई बार नोटिस जारी किए गए थे और स्वेच्छा से कब्जा हटाने के लिए समझाइश भी दी गई थी। इसके बावजूद जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तब वन अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रशासनिक कार्रवाई की गई। यह अभियान कर्थुआ वन परिक्षेत्र के रेंजर दिव्यांशु सिंह बघेल के नेतृत्व में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे प्रशासन की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के चलते पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई वन विभाग ने स्पष्ट किया कि वन भूमि सार्वजनिक संपत्ति है और इस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कानूनन अपराध है विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे वन भूमि पर अतिक्रमण न करें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें।

हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल, मनगवां पुलिस की तत्परता से बची जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जरहा स्थित राइस मिल के पास बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पीछे से आए एक अज्ञात तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे मेंछौकोड़ी साकेत (55 वर्ष), निवासी बरती थाना देवतलाब, हाल शाहपुर जिला मऊगंज तथाराजलखन साकेत (31 वर्ष), निवासी शाहपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक मोटरसाइकिल क्रमांक MP 17 E 1118 से रीवा से बरती की ओर जा रहे थे तभी यह दुर्घटना हुई टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह लहूलुहान हो गए और उनके सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं घटना की सूचना मिलते ही मनगवां थाना पुलिस की एफआरबी टीम तुरंत मौके पर पहुंची घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने बिना देरी किए एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना स्वयं रेस्क्यू शुरू किया आरक्षकशिवेंद्र मिश्रा, आरक्षकदेवेंद्र गोयल और एफआरबी स्टाफउमेश कुमार ने दोनों घायलों को सावधानीपूर्वक पुलिस वाहन में रखकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनगवां पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, यदि समय पर उपचार नहीं मिलता तो अत्यधिक रक्तस्राव के कारण स्थिति गंभीर हो सकती थी पुलिस की तत्परता से दोनों की जान बच सकी फिलहाल दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने अज्ञात बोलेरो वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मऊगंज में दिव्यांगजनों के हित में कलेक्टर ने ली बैठक, योजनाओं के समयबद्ध लाभ के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गुरुवार शाम कलेक्टर कक्ष में दिव्यांग प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और प्राथमिकता से पहुंचाने के निर्देश दिए बैठक में दिव्यांगजनों की समस्याओं एवं मांगों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजनों को सभी सुविधाएं पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराई जाएं। दिव्यांग प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान कई प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, दिव्यांग पेंशन का नियमित भुगतान, स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण, जनकल्याणकारी योजनाओं में प्राथमिकता तथा पात्र दिव्यांगों के नाम बीपीएल सूची में शामिल करना शामिल रहा कलेक्टर ने संबंधित विभागों को इन सभी आवेदनों की जांच कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ देने के निर्देश दिए प्रतिनिधियों ने शासकीय दुकानों के आवंटन में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण का सुझाव भी दिया।

किराना दुकान में रहस्यमयी आग, 25 लाख का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सेमरिया थाना अंतर्गत बम्हनी पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित 'मंजू किराना स्टोर' में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई इस घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है जिसमें शॉर्ट सर्किट और साजिश दोनों पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। दुकान संचालक भगवानदीन गुप्ता ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह रात में दुकान बंद करके घर चले गए थे सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं और उन्हें इसकी सूचना दी।

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के लिए हर माह तीन स्तरों पर होगी जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए अब प्रत्येक माह तीन स्तरों पर नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता (संचालन एवं संधारण) द्वारा यह जानकारी दी गई। मुख्य महाप्रबंधक, जबलपुर के निर्देशानुसार यह व्यवस्था वृत्त, संभाग एवं वितरण केंद्र स्तर पर लागू की गई है जिससे उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को वितरण केंद्र स्तर, द्वितीय मंगलवार को संभागीय कार्यालय स्तर तथा तृतीय मंगलवार को वृत्त कार्यालय स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की जाएगी इस प्रणाली से उपभोक्ताओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों का मौके पर ही पंजीयन किया जाएगा तथा उनके निराकरण के लिए निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर त्वरित समाधान किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्व-सहायता समूहों को मिलेगा बैंक ऋण, कलेक्टर ने तय किए वार्षिक लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज (सीसीएल) तथा मुद्रा ऋण के बैंकवार एवं शाखावार वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए गए बैठक में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कुल 6060 स्व-सहायता समूहों को 133 करोड़ रुपये के बैंक लिंकेज का लक्ष्य निर्धारित किया गया इसमें मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक को 3839 समूहों के लिए 87.18 करोड़ रुपये, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 1220 समूहों के लिए 27.05 करोड़ रुपये, इंडियन बैंक को 404 समूहों के लिए 6.65 करोड़ रुपये, पंजाब नेशनल बैंक को 283 समूहों के लिए 6.05 करोड़ रुपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 197 समूहों के लिए 3.99 करोड़ रुपये तथा भारतीय स्टेट बैंक को 117 समूहों के लिए 2.08 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है इसी प्रकार व्यक्तिगत उद्यम ऋण (मुद्रा ऋण) के अंतर्गत 1000 हितग्राहियों को 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया इसमें मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक को 650, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 211, पंजाब नेशनल बैंक को 48, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 36, भारतीय स्टेट बैंक को 31 तथा इंडियन बैंक को 24 हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य सौंपा गया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बैठक में सभी बैंकर्स एवं मिशन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के तहत 30 सितंबर 2026 तक 70 प्रतिशत तथा 30 दिसंबर 2026 तक 100 प्रतिशत लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य की पूर्ति नहीं होती है तो संबंधित बैंक या मिशन टीम की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिशन कर्मयोगी के तहत 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण 31 दिसंबर तक होंगे आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। लोकसेवकों में सेवा भावना एवं लोक-केंद्रित प्रशासन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 दिसंबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे इस संबंध में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के समस्त विभागों एवं कार्यालय प्रमुखों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल लर्निंग और व्यवहारगत प्रशिक्षण कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षित किया जाएगा जिससे प्रशासनिक दक्षता और सेवा गुणवत्ता में सुधार हो सके प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यशाला की अवधि लगभग 4 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं जिले, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अर्थात 31 दिसंबर 2026 से पूर्व पूर्ण कर ली जाएं। इसके साथ ही सभी प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं का आईगॉट पोर्टल पर पंजीयन एवं सक्रिय होना अनिवार्य किया गया है। कलेक्टर ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने कार्यालयों में कार्यरत क्लास-1, क्लास-2, क्लास-3 एवं संविदा लोकसेवकों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में तैयार करें यह जानकारी एक्सेल शीट एवं हार्ड कॉपी दोनों रूप में संकलित कर एक सप्ताह के भीतर एनआईसी सीधी को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि समय पर डेटा उपलब्ध होने से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा और मिशन कर्मयोगी के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति संभव होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि यह पहल प्रशासन को अधिक उत्तरदायी, दक्ष और जनहितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सीधी में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन का शुभारंभ, अब 125 दिन रोजगार और 300 रुपये दैनिक मजदूरी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और गांवों के समग्र विकास को नई गति देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' का जिला स्तरीय शुभारंभ गुरुवार को स्थानीय मानस भवन में किया गया कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद पंचायत सीधी अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार तथा जनपद पंचायत कुसमी अध्यक्ष श्यामवती सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के ग्राम मुक्कावरिपल्ली से केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मिशन के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा और सुना गया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि यह मिशन विकसित ग्राम पंचायतों के माध्यम से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ग्रामीण विकास को नई दिशा दे रही है और अब योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंचने से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब पात्र ग्रामीण परिवारों को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी जबकि पहले यह सीमा 100 दिन थी साथ ही मजदूरी बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। यदि 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो पात्र हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। विधायक रीती पाठक ने कहा कि यह अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं को अधिक सशक्त बनाते हुए ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को पारदर्शी और विकासोन्मुख बनाएगा उन्होंने बताया कि जल संरक्षण, चेक डैम, तालाबों का पुनरुद्धार, वनीकरण, ग्रामीण सड़कें, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण हाट, डेयरी अवसंरचना तथा प्राकृतिक आपदाओं से निपटने वाले कार्यों को मिशन में प्राथमिकता दी जाएगी जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ग्राम पंचायत आधारित विकास मॉडल से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव होगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला, समाजसेवी इन्द्रशरण सिंह चौहान, पंकज पाण्डेय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, जनपद पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पानिका, सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे सभी ने मिशन के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

बेलगाम होता भ्रष्टाचार

संपादकीय

नौकरशाही का भ्रष्टाचार एक नासूर बन गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बाद भी नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर कहीं कोई प्रभावी लगाम लगती नहीं दिखती।

सीबीआई की ओर से तीन करोड़ रुपये की रिश्वतखोरी के मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत की गिरफ्तारी प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर फिर से ध्यान आकर्षित कर रही है। दीपक गहलावत को जिस मामले में गिरफ्तार किया गया, वह नकली दवा बनाने वाले रैकेट की जांच से जुड़ा है। इस रिश्वतखोरी कांड के समय गहलावत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तैनात थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने तीन करोड़ रुपये की रिश्वत के बदले अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नकली दवा बनाने के आरोपित कारोबारी को सीबीआई जांच से बचाने का भरोसा दिया।

उन्होंने जांच एजेंसी के अधिकारियों पर इसके लिए दबाव भी बनाया। कहना कठिन है कि इस मामले की तह तक पहुंचने और दीपक गहलावत को उनके किए की सजा दिलाने में कितना वक्त लगेगा, लेकिन यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला एक और मामला है। यह लगातार देखने में आ रहा है कि रह-रह कर ऐसे अधिकारी सामने आते ही रहते हैं, जो गंभीर किस्म के भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं। उनकी गिरफ्तारी भी होती है और उनके पास से अकूल संपत्ति भी बरामद होती है, लेकिन यह बहुत कम सुनने को मिलता है कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाया गया।

भ्रष्ट अधिकारियों को समय रहते दंड न दिए जाने का परिणाम यह है कि उनका भ्रष्टाचार बेलगाम है। कुछ मामले तो ऐसे सामने आते हैं, जो खुले-नग्न भ्रष्टाचार की कहानी कहते हैं। इन दिनों ऐसा ही एक मामला दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के लिए दवाएं और मेडिकल उपकरणों की खरीद में घोटाले का है। यह घोटाला 650 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। वास्तव में यह घोटाला नहीं एक तरह की खुली लूट थी। इसे इससे समझा जा सकता है कि बिना जरूरत कई गुना महंगे दामों पर दवाएं और मेडिकल उपकरण खरीदे गए। ऐसा लगता है कि किसी को नियम-कानूनों की कहीं कोई परवाह नहीं थी। इस मामले में स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक डा. वत्सला अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया है। इस घोटाले में किस तरह करोड़ों के वारे-न्यारे किए जा रहे थे, यह इससे समझा जा सकता है कि 650 करोड़ रुपये में से करीब 50 प्रतिशत भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों की जेब में गए। नौकरशाही का भ्रष्टाचार एक नासूर बन गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बाद भी नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर कहीं कोई प्रभावी लगाम लगती नहीं दिखती।

संवेदना का शासन: जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने थामा कैंसर पीड़ित का हाथ

कुमार कृष्णन

राजनीति केवल नीतियां बनाने या विकास योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं होती। उसका सबसे मानवीय पक्ष तब सामने आता है जब जनप्रतिनिधि किसी जरूरतमंद की पीड़ा को अपनी संवेदना से महसूस कर तत्काल सहायता का हाथ बढ़ाता है। मुंगेर जिले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का ऐसा ही एक मानवीय और संवेदनशील स्वरूप देखने को मिला, जिसने उपस्थित लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ दी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी टेटिया बंबर प्रखंड के देवघरा स्थित प्रसिद्ध उच्चेश्वर नाथ महादेव मंदिर परिसर का निरीक्षण कर रहे थे। प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के बीच उनकी नजर भीड़ में खड़े एक बुजुर्ग पर पड़ी। वह थे भंडार गांव के 65 वर्षीय राजेंद्र यादव, जो लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। बीमारी और आर्थिक तंगी ने उन्हें इस स्थिति में ला खड़ा किया था कि वे अपने इलाज की उम्मीद लगभग खो चुके थे।

मुख्यमंत्री के सामने पहुंचते ही राजेंद्र यादव ने हाथ जोड़कर अपनी व्यथा सुनाई और इलाज के लिए सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के उन्हें अपने पास बुलाया, उनकी पूरी बात धैर्यपूर्वक सुनी और स्थिति की गंभीरता को समझा। इसके बाद उन्होंने मौके पर मौजूद जिला पदाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर को स्पष्ट निर्देश दिया कि राजेंद्र यादव के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा उन्हें निःशुल्क और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्तर पर इलाज में बाधा नहीं आनी चाहिए। यह निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं था, बल्कि एक ऐसे नागरिक के प्रति सरकार की संवेदनशीलता का प्रतीक था जो बीमारी और आर्थिक कठिनाइयों के कारण जीवन से संघर्ष कर रहा है।

इस घटना ने यह संदेश भी दिया कि शासन की सफलता केवल योजनाओं के निर्माण में नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में है। जब कोई मुख्यमंत्री स्वयं किसी पीड़ित की व्यथा सुनकर तत्काल कार्रवाई करता है तो प्रशासनिक तंत्र भी अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित होता है।

राजेंद्र यादव की आंखों में उस समय आशा की नई किरण दिखाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उन्हें विश्वास है कि उनका इलाज और आवश्यक ऑपरेशन बिना आर्थिक बोझ के संभव हो सकेगा। उनके चेहरे की राहत यह बता रही थी कि समय पर मिला भरोसा भी किसी औषधि से कम नहीं होता।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की इस पहल की स्थानीय लोगों ने भी खुलकर सराहना की। लोगों का कहना था कि जनप्रतिनिधि तभी जनता के दिलों में स्थान बनाते हैं जब वे आम लोगों के दुख-दर्द को अपना समझकर उसके समाधान के लिए तत्परता दिखाते हैं। ऐसी घटनाएं जनता और सरकार के बीच विश्वास को और मजबूत करती हैं।

बिहार सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और गरीब तथा जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राहत देने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर एक कैंसर पीड़ित की सहायता सुनिश्चित करना इन प्रयासों को मानवीय स्पर्श प्रदान करता है।

आज के समय में, जब राजनीति पर अक्सर आरोप-प्रत्यारोप हावी रहते हैं, तब इस प्रकार की घटनाएं यह विश्वास जगाती हैं कि जनसेवा का मूल उद्देश्य अभी भी जीवित है। किसी पीड़ित व्यक्ति की आंखों में उम्मीद लौटाना और उसके जीवन को बचाने के लिए तत्परता दिखाना किसी भी जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएं तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को।

ललित गर्ग

जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी

ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

विभागों की मलाई पर तकरार-भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार ?

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है, यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार! तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है - भ्रष्ट +आचार, जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित,गंदा, अनैतिक गलत,आपराधिक,आचार=आचरण, व्यवहार,कार्यकलाप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है. मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के कारणों को समझने की करें तो, हम सभी ने कहीं ना कहीं इसे सिस्टम का हिस्सा मान कर अपना लिया है।हम भ्रष्टाचारियों को कोसते है पर वही अपना काम जल्दी कराने के लिये हम खुद उसे बढ़ावा भी देते हैं।ड्राइविंग लाइसेंस जल्दी नहीं बना रहा, थोड़ा खिला देंगे।पासपोर्ट के लिये पुलिस वेरिफिकेशन में समय लगेगा चलो थोड़ा साहब को खर्चा पानी दे देंगे 7हेलमेट नहीं पहना है , गाड़ी के कागज़ नहीं है , ट्रैफिक पुलिस वाले को 100-50 दे कर बच जायेंगे 7

सरकारी टेंडर हमें ही मिले इसके लिये सरकारी बाबू को थोड़ा मिठाई भिजवा देते है।और फिर जो पैसा उनकी खातिरदारी में खर्च होगा वो हम काम की गुड़वत्ता कम करके खानापूर्ति कर लेंगे 7हमारा इस सब को ले कर casual attitude (सब ठीक है) ही इस सब का जिम्मेदार है, सिर्फ सरकारों को कोसने से कुछ नहीं होगा पहला बदलाव हमें खुद से शुरू करना होगा, अपनी सोच में परिवर्तन करके।

भरतपुर में 'विकसित भारत - RAM Act, 2025' का राष्ट्रीय शुभारंभ, ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में गुरुवार को जनपद पंचायत भरतपुर के सभागार में 'विकसित भारत – G RAM G Act, 2025 ' के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जनभागीदारी और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह रहीं जबकि अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह ने की इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय सिंह राठौर, कार्यक्रम अधिकारी रमणीक कुमार गुप्ता, जनपद सदस्य, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार जब देश के गांव आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत सुविधाओं के स्तर पर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनेंगे इसके लिए ग्रामीण विकास योजनाओं का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस दौरान रोजगार सृजन, जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, ग्रामीण अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को मिशन मोड में आगे बढ़ाने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और ग्रामीण समुदाय के बीच बेहतर समन्वय एवं सक्रिय भागीदारी जरूरी है मुख्य अतिथि यशवंती सिंह ने कहा कि गांवों का समग्र विकास ही विकसित भारत की मजबूत नींव है उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का आह्वान किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मायाप्रताप सिंह ने कहा कि जनभागीदारी से ही ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और ग्रामीणों को उनका अधिकतम लाभ दिलाने की अपील की।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा ग्रामीण विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी और आत्मनिर्भर एवं समृद्ध गांवों के निर्माण का लक्ष्य तेजी से साकार होगा।

डायल-112 की तत्परता से परिवार से मिला तीन वर्षीय मासूम, देवास पुलिस की संवेदनशीलता बनी मिसाल

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल–112 सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर से भटक गए तीन वर्षीय मासूम को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाकर परिवार की खुशियां लौटा दीं यह घटना देवास जिले के औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत अमृत स्वीट्स के पास की है जहां डायल–112 के जवानों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया जानकारी के अनुसार 1 जुलाई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल–112 भोपाल को सूचना मिली कि औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत अमृत स्वीट्स के पास करीब तीन वर्ष का एक बालक अकेला घूम रहा है बालक अपने घर का रास्ता भटक गया था और अपनी कम उम्र के कारण अपने माता–पिता या घर का पता भी नहीं बता पा रहा था। सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम ने तत्काल थाना औद्योगिक क्षेत्र में तैनात डायल–112 एफआरवी वाहन को मौके के लिए रवाना किया। कुछ ही समय में डायल–112 टीम मौके पर पहुंच गई आरक्षक सचिन चौहान और वाहन चालक (पायलट) देवेंद्र भारती ने बालक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और उसे शांत कराकर उसके परिजनों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मासूम को एफआरवी वाहन में बैठाकर आसपास के इलाकों में पूछताछ की और संभावित स्थानों पर उसके परिवार की खोज की लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी इसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से बालक को थाना औद्योगिक क्षेत्र लाया गया जहां उसकी देखभाल की गई। कुछ समय बाद अपने लापता बेटे की तलाश में परेशान माता–पिता थाने पहुंचे पुलिस ने आवश्यक पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मासूम को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया अपने बच्चे को सकुशल देखकर माता–पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े उन्होंने डायल–112 सेवा और पुलिस जवानों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर पुलिस की मदद नहीं मिलती तो कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी।

'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत प्रदेशभर के स्कूलों में दिलाई गई साइबर सुरक्षा की शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। , मध्यप्रदेश पुलिस और स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल 'सेफ क्लिक 2.0 'अभियान के तहत बुधवार को प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए प्रार्थना सभाओं में लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और शैक्षणिक स्टाफ ने साइबर शपथ लेकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने का संकल्प लिया अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवकी मंशा तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणाके निर्देशन में संचालित इस राज्यव्यापी अभियान का आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस के राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय एवं स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से किया गया राजधानी भोपाल से लेकर प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक एक साथ आयोजित कार्यक्रमों में साइबर सुरक्षा का संदेश विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि आज के डिजिटल दौर में इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म जीवन का हिस्सा बन चुके हैं लेकिन इनके साथ साइबर ठगी, फर्जी लिंक, ऑनलाइन उत्पीड़न, फेक न्यूज और डेटा चोरी जैसे खतरे भी तेजी से बढ़ रहे हैं ऐसे में प्रत्येक ऑनलाइन गतिविधि के दौरान सतर्कता और जिम्मेदारी बेहद जरूरी है साइबर शपथ के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने यह संकल्प लिया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना पासवर्ड, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी या अन्य गोपनीय व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करेंगे इसके अलावा सोशल मीडिया पर अजनबियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करेंगे, अपुष्ट या भ्रामक सूचनाएं साझा नहीं करेंगे तथा ऑनलाइन गेमिंग या चैटिंग के दौरान किसी भी प्रकार के लालच, धमकी या धोखाधड़ी का शिकार होने से बचेंगे।

खड़गवां से वीबी जी राम जी योजना का शुभारंभ, जॉब कार्डधारी परिवारों को मिलेंगे 125 दिन रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण श्रमिकों को अधिक रोजगार और बेहतर आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वीबी जी राम जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन–ग्रामीण) योजना का शुभारंभ गुरुवार को जनपद पंचायत खड़गवां में किया गया ग्राम पंचायत खड़गवां स्थित जनपद सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजना का देशव्यापी शुभारंभ किया, जिसमें सभी राज्यों की सहभागिता रही। खड़गवां में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्र करियाम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश बंजारे, कार्यक्रम अधिकारी के.पी. सिंह, जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक तथा जनपद पंचायत के अधिकारी–कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय मंत्री का संबोधन प्रसारित किया गया इसके बाद कार्यक्रम अधिकारी ने योजना के उद्देश्य, प्रमुख प्रावधानों और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ–साथ स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। योजना के शुभारंभ के उपरांत ग्राम पंचायत खड़गवां में कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया जनप्रतिनिधियों ने भूमि पूजन कर गड्ढा खोदते हुए निर्माण कार्य की शुरुआत की इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के महत्व से भी अवगत कराया गया योजना के पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यस्थल पर श्रमिकों की उपस्थिति एनएमएमएस ऐप के माध्यम से दर्ज की गई। वहीं, कई श्रमिकों का ई–केवाईसी भी कराया गया जिससे भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 बनी आमजन का सहारा, एक सप्ताह में बना आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प को साकार करने में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों के लिए प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है इसका ताजा उदाहरण मनेंद्रगढ़ निवासी अभिनव द्विवेदी हैं जिनकी लंबे समय से लंबित आयुष्मान कार्ड की समस्या हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के महज एक सप्ताह के भीतर हल हो गई अब उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार का लाभ मिल सकेगा। जानकारी के अनुसार अभिनव द्विवेदी ने आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली थी लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी उनका कार्ड जारी नहीं हो पाया। इसके कारण वे शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा से वंचित थे और इलाज संबंधी संभावित आर्थिक चिंताओं का सामना कर रहे थे कई प्रयासों के बाद भी समाधान नहीं मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई शिकायत मिलते ही प्रकरण को स्वास्थ्य विभाग को भेजा गया विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई शुरू की जिला प्रशासन की सतत मॉनिटरिंग तथा विभागीय अधिकारियों के त्वरित प्रयासों से केवल एक सप्ताह के भीतर अभिनव द्विवेदी का आयुष्मान कार्ड तैयार कर दिया गया। आयुष्मान कार्ड बनने के बाद अभिनव अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकेंगे इससे भविष्य में गंभीर बीमारी की स्थिति में उन्हें आर्थिक सहायता का बड़ा सहारा मिलेगा और महंगे उपचार का बोझ भी काफी हद तक कम होगा। शिकायत के निराकरण के बाद मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से जब अभिनव से फीडबैक लिया गया तो उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी समस्या का पूरी तरह समाधान हो गया है उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इतनी जल्दी कार्रवाई होने की उम्मीद नहीं थी अभिनव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन वास्तव में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसेमंद माध्यम बन चुकी है जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 केवल शिकायत दर्ज करने का मंच नहीं बल्कि पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध समाधान की प्रभावी व्यवस्था है।

मध्यप्रदेश पुलिस में eHRMS ई-लीव प्रणाली लागू, अब ऑनलाइन होंगे अवकाश आवेदन और स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने पुलिस कर्मियों की सेवा प्रबंधन व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए (इलेक्ट्रॉनिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) का ई–लीव मॉड्यूल प्रदेशभर में लागू कर दिया है पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2026 से यह व्यवस्था सभी पुलिस इकाइयों में प्रभावी हो गई है इसके बाद अब प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी ऑनलाइन अवकाश आवेदन, स्वीकृति और उसकी स्थिति की जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकेंगे। नई व्यवस्था के लागू होने से पारंपरिक मैनुअल प्रक्रिया की जगह पूरी तरह डिजिटल प्रणाली ने ले ली है इससे अवकाश स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम होगी, वहीं कर्मचारियों को आवेदन की वर्तमान स्थिति जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे पुलिस विभाग ने जुलाई 2025 से सेवा अभिलेखों के डिजिटलीकरण की शुरुआत की थी इस दौरान पुलिस कर्मियों की सेवा पुस्तिकाओं की स्कैनिंग और आवश्यक सेवा संबंधी जानकारी को डिजिटल रूप में सुरक्षित किया गया मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सहयोग से एक लाख से अधिक सेवा पुस्तिकाओं का डिजिटलीकरण किया गया है तथा वर्तमान में करीब एक लाख पुलिस अधिकारी और कर्मचारी प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं। विभाग ने इससे पहले 23 मार्च 2026 से ऑर्डर बुक मॉड्यूल भी शुरू किया था, जिसके माध्यम से सेवा पुस्तिका से संबंधित सभी महत्वपूर्ण आदेश अब डिजिटल रूप में सुरक्षित उपलब्ध रहेंगे इससे अभिलेखों के संरक्षण और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से प्राप्त करने में सुविधा होगी। ई–लीव मॉड्यूल को लागू करने से पहले इसे एससीआरबी, कार्मिक शाखा, विशेष शाखा, पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल और 25वीं वाहिनी भोपाल में प्रायोगिक तौर पर संचालित किया गया प्राप्त सुझावों और अनुभवों के आधार पर आवश्यक सुधार किए गए जिसके बाद इसे प्रदेश की लगभग 120 पुलिस इकाइयों में लागू कर दिया गया नई व्यवस्था के तहत कर्मचारी ehrms.mp.gov.in पोर्टल या eHRMS मोबाइल एप के माध्यम से अवकाश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे यह एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। आवेदन के बाद संबंधित लीव क्लर्क उसे सक्षम अधिकारी को ऑनलाइन अग्रेषित करेगा और अधिकारी भी डिजिटल माध्यम से ही अनुशंसा एवं स्वीकृति देंगे। कर्मचारी अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से आवेदन की अद्यतन स्थिति कभी भी देख सकेंगे ।

125 दिनों के रोजगार की गारंटी के साथ शुरू हुआ 'विकसित भारत गारंटी मिशन', पिपरिया में जन सम्मेलन आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन को नई दिशा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को नए स्वरूप 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) – VB-G RAM G Act, 2025 'के रूप में लागू कर दिया है मिशन का देशव्यापी शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहानने आंध्र प्रदेश के तिरुपति से वर्चुअल माध्यम से किया इस अवसर पर मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (एमसीबी) जिले के मनेन्द्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया में जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री का वर्चुअल संबोधन सुना तथा मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह मिशन केवल मनरेगा का नाम परिवर्तन नहीं बल्कि ग्रामीण भारत के समग्र विकास की नई पहल है इसका उद्देश्य रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना किसानों की आय बढ़ाना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को स्थायी रूप से सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2026से देशभर में लागू इस मिशन के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटीमिलेगी। साथ ही न्यूनतम दैनिक मजदूरी 300 रुपयेनिर्धारित की गई है जबकि राष्ट्रीय औसत मजदूरी लगभग 327.40 रुपये प्रतिदिनहोगी। मजदूरी का भुगतान 15 दिनों के भीतर सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में किया जाएगा जिससे पारदर्शिता और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित होगा कार्यक्रम में अधिकारियों ने मिशन की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण, भू–जल संवर्धन, वृक्षारोपण, कृषि आधारित अधोसंरचना, तालाब निर्माण, खेत सुधार, ग्रामीण सड़क निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ करने वाले कार्य भी मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम 'अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जिला पंचायत सदस्य उदित नारायण, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अधिकाधिक पौधारोपण एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पिपरिया सहित डंगौरा, भालौर, शंकरगढ़, कठौतिया, सिरौली, चैनपुर, साल्ही, बेलबहरा, डोमनापारा, कोठारी, चौघड़ा, बौरीडाड़ एवं लालपुर ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे जन सम्मेलन के माध्यम से मिशन की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई और इसे गांवों के समग्र एवं टिकाऊ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

एसडीएम जेपी गुप्ता पर एफआईआर का विरोध, प्रशासनिक सेवा संघ ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पोहरी एसडीएम जेपी गुप्ता के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में दर्ज एफआईआर के विरोध में मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की शिवपुरी जिला इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर अर्पित वर्मा को ज्ञापन सौंपकर मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है। संघ का कहना है कि एसडीएम जेपी गुप्ता ने 12 जून को पोहरी में पदभार ग्रहण किया था जबकि एफआईआर में उल्लेखित रिकॉर्ड दुरुस्ती का मामला 15 जून को पहली बार उनके समक्ष आया था संघ के अनुसार इस प्रकरण में आवेदक बाबू सिंह राजपूत को 6 जुलाई को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए बुलाया गया था और तब तक कोई अंतिम आदेश पारित नहीं हुआ था। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया है कि शिकायतकर्ता गोविंद शिवहरे का संबंधित प्रकरण से कोई प्रत्यक्ष या कानूनी संबंध नहीं है ऐसे में उसकी शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष जांच आवश्यक है राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने आरोप लगाया कि एसडीएम जेपी गुप्ता शासकीय तथा अनुसूचित जाति–जनजाति की भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं इसी से प्रभावित कुछ भूमाफियाओं और स्वार्थी तत्वों ने कथित फर्जी शिकायत और कूटरचित ऑडियो के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। संघ ने सरकार से वैज्ञानिक और निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग करते हुए कहा कि बिना सत्यापित साक्ष्यों के किसी अधिकारी की प्रतिष्ठा और मनोबल को प्रभावित करना उचित नहीं है।

डाकखाना चौराहे पर डंपर और कार की आमने-सामने टक्कर

छतरपुर में हादसे के बाद सड़क पर लगा जाम, पन्ना जा रहा था कार सवार

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के डाकखाना चौराहे पर गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे डंपर और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, कार चालक सुरक्षित बच गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार का पंजीयन क्रमांक MP 16 ZB 0640 है। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक यह कार अधिवक्ता राजेश सिंह बघेल की है। गुरुवार सुबह उनका चालक कार लेकर पन्ना की ओर जा रहा था। इसी दौरान डाकखाना चौराहे के पास सामने से आ रहे डंपर से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के समय कार में चालक के अलावा कोई अन्य सवार नहीं था।

टक्कर के बाद दूसरी दिशा में जाकर रुकी कार: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद कार सड़क पर घूमकर विपरीत दिशा में जाकर रुकी। इससे पहली नजर में ऐसा लग रहा था कि कार गलत दिशा में खड़ी है। मौके पर मौजूद परिजनों ने बताया कि कार गलत साइड पर नहीं चल रही थी। डंपर की टक्कर के कारण उसका रुख बदल गया था। हालांकि, हादसा किस वाहन चालक की लापरवाही से हुआ, इसका पता पुलिस जांच और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर चलेगा।

कुछ देर तक यातायात रहा प्रभावित: हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार सड़क के बीच में खड़ी रही, जिससे कुछ समय तक यातायात प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के काफी देर बाद तक मौके पर ट्रैफिक पुलिस या अन्य पुलिसकर्मी नहीं पहुंचे। इससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी हुई। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसे के समय किस वाहन चालक की लापरवाही थी।

मंदसौर में मजदूर ने घर में फांसी लगाकर दी जान,परिजनों से विवाद की चर्चा पुलिस परिजनों से करेगी पूछताछ

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम लदुना में गुरुवार को एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सीतामऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे

में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामऊ शासकीय अस्पताल भेजा। यह घटना तब सामने आई जब परिजनों ने व्यक्ति का शव कमरे में रस्सी के फंदे से लटका हुआ देखा। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान लदुना निवासी लक्ष्मीनारायण पिता रामनारायण तेली के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह खेती और मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जानकारी में आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार घटना से पहले मृतक का परिजनों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने इस संबंध में किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सीतामऊ थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आत्महत्या के कारणों की गहन जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सीहोर में मानसून एक्टिव, इछावर में सबसे ज्यादा बारिश

कीचड़ में फंसे वाहन और सड़क पर गिरा पेड़, वाहन फंसने से लगा जाम

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर में मानसून सक्रिय है और बारिश का दौर जारी है। जिला भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, 2 जुलाई को जिले में औसतन 0.26 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही 1 जून से अब तक कुल औसतन 7.83 इंच वर्षा हो चुकी है।

गुरुवार को हुई बारिश में इछावर में सबसे अधिक 0.83 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। सीहोर मुख्यालय पर 0.47 इंच और भैरूंदा में 0.43 इंच बारिश हुई। बुधनी में 0.16 इंच, रेहटी में 0.17 इंच और आष्टा में 0.04 इंच बारिश दर्ज की गई। श्यामपुर और जावर केंद्रों पर बारिश नहीं हुई।

आष्टा में सबसे ज्यादा कुल बारिश: 1 जून से अब तक के आंकड़ों के अनुसार, आष्टा में सबसे अधिक 11.50 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके बाद भैरूंदा में 10.71 इंच और इछावर में 9.76 इंच वर्षा हुई है।

जावर में 6.98 इंच, सीहोर में 6.96 इंच, बुधनी में 6.81 इंच और रेहटी में 6.39 इंच बारिश दर्ज की गई है। श्यामपुर में अब तक सबसे कम 3.54 इंच वर्षा हुई है।

बारिश के बाद कई इलाकों में यातायात प्रभावित: मानसून की पहली तेज बारिश के बाद जिले के कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। चंदेरी गांव, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और बोरदी क्षेत्र में कीचड़ और पेड़ गिरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चंदेरी गांव के मुख्य मार्ग पर सड़क पर जमा मिट्टी बारिश के पानी से मिलकर दलदल में बदल गई। इस कीचड़ में एक भारी ट्रक फंस गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात घंटों बाधित रहा।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी कच्ची सड़कों पर जलभराव के कारण भारी कीचड़ जमा हो गया। कॉलोनी के मुख्य रास्ते पर एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ और स्थानीय लोगों को दिक्कत हुई।

बोरदी क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर एक बड़ा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। इस घटना में कोई वाहन चपेट में नहीं आया, लेकिन सड़क का संपर्क बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रुक गई।

आगे भी बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, जिले में अगले कुछ दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मानसून की सक्रियता के कारण कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो सकती है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने बताया कि सड़कों की मरम्मत का कार्य समय-समय पर किया जाता है।

खटिया पर सो रहे 28 साल के युवक की हत्या

खंडवा के कुसुम्बिया में सिर पर भारी वस्तु से वार, प्रेम-प्रसंग और लेन-देन का शक

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के पंधाना थाना क्षेत्र स्थित कुसुम्बिया गांव में मंगलवार रात एक 28 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। मृतक का शव बुधवार सुबह घर के आंगन में खटिया पर लहूलुहान हालत में मिला। हमलावर ने उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर इस वारदात को अंजाम दिया है। मृतक की पहचान केदार (28) पिता कुर्बान के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, केदार शादीशुदा था और मंगलवार रात भोजन करने के बाद घर के आंगन में खटिया पर सो गया था। बुधवार सुबह जब परिवार के लोगों ने उसे देखा, तो उसकी मौत हो चुकी थी और सिर पर गहरी चोट के निशान थे।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, पत्नी से हुई पूछताछ: घटना की सूचना मिलते ही पंधाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मृतक की पत्नी और अन्य परिजनों से भी पूछताछ की, लेकिन सभी ने हत्या के संबंध में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है।

प्रेम-प्रसंग और लेन-देन के एंगल पर पड़ताल: डीएसपी (मुख्यालय) अनिल सिंह चौहान ने बताया कि मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। शुरुआती जांच में पैसों के लेन-देन और प्रेम-प्रसंग, ये दो एंगल सामने आए हैं। पुलिस इन दोनों बिंदुओं को ध्यान में रखकर गहराई से पड़ताल कर रही है और कुछ महत्वपूर्ण सुराग भी हाथ लगे हैं।

संदिग्धों से पूछताछ जारी, जल्द होगा खुलासा: पुलिस आसपास के लोगों से लगातार जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है और कुछ लोगों से पूछताछ जारी है। डीएसपी चौहान के मुताबिक, जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रायसेन कलेक्टर बच्चों संग आंगनबाड़ी में नीचे बैठे

1800 से ज्यादा केंद्रों पर स्कूल रेडीनेस मेला-2 लगा, माताएं भी शामिल हुईं

मीडिया ऑडीटर,रायसेन, (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रायसेन जिले के सभी 61 सेक्टरों और 1800 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्कूल रेडीनेस मेला-2 का आयोजन गुरुवार को किया गया। यह मेला एक माह तक चले घरेलू अधिगम अभियान के समापन पर आयोजित हुआ, जिसमें माताओं ने सक्रिय भागीदारी की। मेले में बच्चों की सीखने की प्रगति का गतिविधि आधारित पुनः आकलन किया गया। इसमें बच्चों के शारीरिक, भाषा, संख्या ज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास से जुड़ी गतिविधियां शामिल थीं। प्रत्येक बच्चे का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर अभिभावकों को सौंपा गया। इसी क्रम में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने वार्ड-13 स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से संवाद किया और माताओं से घरेलू अधिगम अभियान के अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर बावड़ी उत्सव मनाया

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड ग्यारसपुर द्वारा ग्राम मानौरा में तरफदार माणकचंद जी के स्थान स्थित प्राचीन बावड़ी पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत एक विशेष 'बावड़ी उत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। जल संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षाः स्वदेश आचार्य कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक स्वदेश आचार्य ने पर्यावरण और जल की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जल संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी और अनिवार्य आवश्यकता है। पृथ्वी पर जीवन को बचाने के लिए हमें न केवल नए वृक्ष लगाने होंगे, बल्कि अपने पारंपरिक जल स्रोतों को भी पुनर्जीवित करना होगा। प्रत्येक व्यक्ति को जल के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इसकी एक-एक बूंद को सहेजने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में परामर्शदाता राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा, 'इस बावड़ी उत्सव का मूल उद्देश्य समाज को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना और हमारे पारंपरिक जल स्रोतों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना है। हम सिर्फ पर्यावरण दिवस मना नहीं रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक अभियान चला रहे हैं।' उन्होंने BSW-MSW के छात्र-छात्राओं व ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

किराना व्यापारी को कार ने मारी टक्कर, गंभीर घायल

पन्ना में आरोपी ड्राइवर फरार, सड़क पार करते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर ,पन्ना (निप्र)। पन्ना शहर की इंद्रपुरी कॉलोनी के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार अज्ञात कार ने सड़क पार कर रहे एक किराना व्यापारी को टक्कर मार दी। हादसे में व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। इंद्रपुरी कॉलोनी, गीता पेट्रोल पंप के पास रहने वाले 34 वर्षीय देवेंद्र कुशवाहा अपनी दुकान के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान अजयगढ़ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़, ड्राइवर फरार टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए। इसी दौरान कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। अस्पताल में चल रहा इलाज स्थानीय लोगों ने घायल देवेंद्र कुशवाहा को तुरंत जिला अस्पताल पन्ना पहुंचाया। उन्हें सिर, कंधे और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

सागर में तीन युवकों पर कटर से हमला, घायल

शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में रविशंकर स्कूल के पास बदमाशों ने तीन युवकों पर कटर से हमला कर दिया। कटर लगने से तीनों युवक गंभीर घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कनेरा गौंड निवासी नीरज, अजय और पप्पू कुशवाहा बुधवार रात शादी समारोह में शामिल होने के लिए सागर आए थे। वे मोतीनगर क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से देर रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान रविशंकर स्कूल के पास दुकान पर खड़े हुए। तभी कुछ बदमाश मौके पर आ गए। उन्होंने बाइक की चाबी और रुपयों की मांग की। पैसे नहीं देने पर मारपीट शुरू कर दी।

कटर लगने से तीनों युवक घायल: मारपीट के दौरान आरोपियों ने कटर निकाला और नीरज, अजय और पप्पू पर हमला कर दिया। कटर लगने से तीनों युवक गंभीर घायल हुए हैं। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को बीएमसी में भर्ती कराया, जहां तीनों का इलाज चल रहा है। घायलों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

नर्मदापुरम में व्यापारी ने युवती से किया रेप

इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप के बाद शादी का किया वादा, दो साल किया दैहिक शोषण

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के एक बेल्ट-चश्मा दुकानदार पर 33 साल की एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया। युवती ने महिला थाने में आरोपी के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी जितेंद्र राठौर निवासी रिवर व्यू कॉलोनी के पास को गिरफ्तार किया। जिसे कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश किए।

पुलिस के मुताबिक 33 साल की युवती जो शहर के एक कॉलोनी की रहने वाली है। आरोपी जितेंद्र राठौर की बाजार में चश्मे-बेल्ट की दुकान है। महिला थाना प्रभारी राखी मौर्य ने बताया आरोपी जितेंद्र शादीशुदा है।

जिसका तलाक़ का केस चल रहा है। युवती और आरोपी की तीन साल पहले 2024 में इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई।

कुछ समय बाद उनके बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी। दोस्ती प्रेम में बदल गई। फिर युवक जितेंद्र ने युवती को शादी करने का झांसा दिया। आरोपी ने अपने घर बुलाकर युवती से गलत संबंध बनाएं। फिर उनके बीच कई बार संबंध बने। अप्रैल 2026 में भी आरोपी ने घर बुलाकर रेप किया। जब युवती ने शादी का बोला तो उसने कहा कि अभी तलाक का निर्णय हो जाने तो तब वो शादी करेगा। ऐसा कहकर युवक समय बीता था था। युवती ने कोतवाली थाने में भी कुछ समय पहले शिकायत की थी। फिर उसने महिला थाने पहुंचकर शिकायत की। युवती की शिकायत पर आरोपी जितेंद्र राठौर के खिलाफ केस दर्ज किया। उसे गिरफ्तार कर लिया है। जिसे जेल भेजा गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन, वेदनखेड़ी में हर्षोल्लास से मनाया गया बावड़ी उत्सव

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड गंजबासौदा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर वेदनखेड़ी स्थित नृसिंह मंदिर की ऐतिहासिक बावड़ी पर भव्य 'बावड़ी उत्सव' आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं वरिष्ठजनों की उपस्थिति में बावड़ी पूजन, दीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ हुआ। आयोजन के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने कहा कि 'जल संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि विकासखंड स्तर पर जल संरक्षण संबंधी गतिविधियां तीन चरणों में संचालित की गईं। उन्होंने प्राचीन जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि इन्हें सुरक्षित रखना हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी है। 19 मार्च से 30 जून तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं एवं विद्यार्थियों द्वारा जल संरक्षण के लिए विभिन्न जागरूकता एवं श्रमदान गतिविधियां संचालित की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम अनुभा जैन, नगरपालिका अध्यक्ष शशि यादव, देवेन्द्र यादव, नगरपालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक पूजा वास्तव, ब्लॉक समन्वयक ममता राठौर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को जल की प्रत्येक बूंद के संरक्षण के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

अतिथियों ने कहा कि यह केवल 'बावड़ी उत्सव' नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का जन-जागरण अभियान है। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान बावड़ी परिसर की विशेष स्वच्छता एवं आकर्षक सजावट की गई। रंगोली, दीपों एवं फूल-मालाओं से बावड़ी को सजाया गया। विशाल वैरागी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत बावड़ी पूजन कराया, जिसके पश्चात जल संरक्षण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

समापन अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर नवांकुर संस्था के देवेन्द्र कुमार साहू, अमित शर्मा, हजारीलाल पाटस्कर, धन सिंह कुशवाह, रामचरन कुशवाह, राजेन्द्र रघुवंशी, अभिषेक शर्मा, परामर्शदाता जगदीश प्रसाद साहू, सीमा शर्मा, रीतू दांगी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रैंड चेस टूर क्रोएशिया: पहले दिन आर. प्रग्गनानंदा का शानदार प्रदर्शन, छठे स्थान पर रहे गुकेश

जाग्रेब एजेंसी। ग्रैंड चेस टूर 2026 के तीसरे इवेंट सुपर रैपिड और ब्लिट्ज क्रोएशिया में भारतीय खिलाड़ियों की शुरुआत अलग-अलग रही। युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन संयुक्त दूसरे स्थान पर जगह बनाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश छठे स्थान पर रहे। प्रग्गनानंदा ने पहले मुकाबले में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिन के तीसरे और आखिरी राउंड में उनका मुकाबला गुकेश से हुआ, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ। पहले दिन के बाद प्रग्गनानंदा के 6 में से 4 अंक हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। दूसरी ओर, गुकेश का पहला मैच अच्छा नहीं रहा। उन्हें मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में इवान सारिक को हराकर शानदार वापसी की। तीसरे राउंड में प्रग्गनानंदा के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा। तीन राउंड के बाद गुकेश के 6 में से 3 अंक हैं और वह छठे स्थान पर हैं। रैपिड सेक्शन के अभी छह राउंड और खेले जाने बाकी हैं।

पहले दिन के बाद फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 5 अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर हैं। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले टखने की चोट के कारण उन्हें रोमानिया में ग्रैंड चेस टूर का एक इवेंट बीच में छोड़ना पड़ा था। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लीड हासिल कर ली है। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला अनीश गिरी से ड्रॉ रहा, जिससे उनकी बढ़त बरकरार रही। अन्य मुकाबलों में विंसेंट कीमर ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर जीत दर्ज की। वहीं, बोगदान-डैनियल डेक ने इवान सारिक को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

इस टूर्नामेंट में दो प्रारूप खेले जा रहे हैं। पहले 9 राउंड का सुपर रैपिड टूर्नामेंट होगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 25 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। इसके बाद 18 राउंड का ब्लिट्ज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 5 मिनट और हर चाल पर 2 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। रैपिड में जीत पर 2 अंक और ड्रॉ पर 1 अंक मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर 1 अंक और ड्रॉ पर आधा अंक दिया जाता है।

डोड्डापनेनी कल्याण कृष्णा को आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली एजेंसी। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने बुधवार को बताया कि आंध्र के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डापनेनी कल्याण कृष्णा को राज्य का क्रिकेट ऑपरेशन्स का निदेशक बनाया गया है। मंगलगिरी में हुई एसीए की वार्षिक जनरल मीटिंग (एजीएम) में इस नियुक्ति को कन्फर्म किया गया। एसीए ने अपने बयान में कहा, एसीए हमारे क्रिकेट ऑपरेशन्स को मजबूत करने और इस क्षेत्र में खेल के लिए भविष्य के मजबूत विकास को आगे बढ़ाने में कल्याण कृष्णा के नेतृत्व का इंतजार कर रहा है। डोड्डापनेनी कल्याण कृष्णा ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी नियुक्ति के लिए एसीए अध्यक्ष केसिनेनी शिवनाथ और सचिव सना सतीश बाबू को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, मैं एसीए के अध्यक्ष और सचिव का बहुत शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह भूमिका दी। मैं आंध्र टीम में एक खिलाड़ी के तौर पर था और अब मैं ऑफ-फील्ड रोल में टीम के साथ वापस आ गया हूं। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि खेलने का समय खत्म होने के बाद वह खेल को कुछ वापस दे और मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि अब मैं ऐसा कर पा रहा हूं।

कल्याण कृष्णा 2026/27 घरेलू सीजन की रणनीति बनाने के लिए आंध्र के हेड कोच गैरी स्टीड के साथ भी काम करेंगे।

उन्होंने कहा, यह मेरे लिए करियर में बदलाव जैसा है। मैंने अब तक कमेंटेटर के तौर पर अच्छी पहचान बनाई है और अब यह रोल निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी चुनौती है। मुझे यकीन है कि मैं इसके साथ पूरा न्याय करूंगा और एसीए द्वारा अब तक किए गए अच्छे काम को आगे बढ़ाऊंगा।

मेरी प्राथमिकताओं में राज्य में पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में खेल की पहुंच बढ़ाना और ऐसे और खिलाड़ी तैयार करना शामिल है जो आगे चलकर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें 42 साल के कल्याण कृष्णा ने आंध्र की तरफ से 51 प्रथम श्रेणी और 42 लिस्ट ए मैच खेले हैं। दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने प्रथम श्रेणी में 154 और लिस्ट ए क्रिकेट में 52 विकेट लिए थे।

भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमें घोषित

विश्वनाथ और चंद्रिका अगुवाई करेंगे

नई दिल्ली एजेंसी। भारत अंडर-19 और अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिला-जुला दल उतारेगा।

यह प्रतियोगिता 3 से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित होगी। मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत की अगुवाई करेंगे। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने बुधवार को दोनों आयु वर्गों के लिए टीमों की घोषणा कर दी।

पुरुषों के अंडर-23 वर्ग में 50 किग्रा कैटेगरी में मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और ईशान कटारिया (90+ किग्रा) भी शामिल हैं। महिलाओं की अंडर-23 टीम में निधि (48 किग्रा), तनु (51 किग्रा), निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और प्रियंका (80+ किग्रा) शामिल हैं। अंडर-19 प्रतियोगिता में, फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी 51 किग्रा कैटेगरी में लड़कियों की टीम की अगुवाई करेंगी।

उनके साथ गुंजन (48 किग्रा), चिरोम जॉयश्री देवी (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), चाहत (60 किग्रा), वंशिका (65 किग्रा), लक्षु (70 किग्रा), अंशिका (75 किग्रा), मेघा श्योकंद (80 किग्रा) और प्राची टोकस (+80 किग्रा) भी शामिल हैं। लड़कों की अंडर-19 टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं- लैरेनलाकपाम अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), आदित्य (55 किग्रा), सिकंदर (60 किग्रा), मौसम सुहाग (65 किग्रा), प्रशांत (70 किग्रा), देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा), लोकेश (80 किग्रा), सागर (85 किग्रा), शुभम राजपूत (90 किग्रा) और लोवेन गुलिया (90+ किग्रा)।

हाल के कॉन्टिनेंटल और ग्लोबल इवेंट्स में अच्छे प्रदर्शन और कई वेट कैटेगरी में बढ़ती गहराई के साथ भारत इस चैंपियनशिप में उतर रहा है।

डीआर कांगो के कोच देसाब्रे को लगा एक और बड़ा झटका

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिली पिता के निधन की खबर

अटलांटा एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में मिली हार के कुछ ही घंटों बाद कांगो डीआर के हेड कोच सेबेस्टियन देसाब्रे को निजी तौर पर एक और बड़ा झटका लगा है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्हें अपने पिता के निधन की खबर मिली, जिसके बाद माहौल बेहद भावुक हो गया और प्रेस कॉन्फ्रेंस तुरंत समाप्त कर दी गई। नॉकआउट मुकाबले में डीआर कांगो ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और शुरुआत में बेहतरीन खेल दिखाया। मैच के सातवें मिनट में ब्रायन सिपेंगा ने अपना पहला इंटरनेशनल गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने पहले बराबरी का गोल किया और फिर दूसरा और निर्णायक गोल कर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। इस हार के साथ कांगो का ऐतिहासिक सफर राउंड ऑफ 32 में समाप्त हो गया। मैच के बाद जब कोच देसाब्रे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, तभी एक अधिकारी ने फ्रेंच भाषा में उनके पिता के निधन की सूचना दी। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस का माहौल पूरी तरह बदल गया। अधिकारी ने संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि बातचीत समाप्त की जा रही है। शुरुआत में कोच को खबर पर यकीन नहीं हुआ। कुछ क्षणों के बाद उन्होंने धीरे से धन्यवाद कहा और तुरंत उठकर प्रेस कॉन्फ्रेंस रूम से बाहर चले गए।

कांगो डीआर ने इस टूर्नामेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। टीम ने अपने पहले फीफा वर्ल्ड कप में नॉकआउट चरण तक पहुंचकर इतिहास रचा। इससे पहले उन्होंने ग्रुप चरण में शानदार खेल दिखाते हुए उज्बेकिस्तान को हराते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई थी। 1974 के बाद डीआर कांगो ने यह पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया था। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में डीआर कांगो ने अपने खेल से हर किसी को खासा प्रभावित किया।

हार के बाद कोच देसाब्रे ने कहा कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अनुभव की कमी साफ तौर पर दिखी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने पूरी मेहनत की लेकिन आखिरी क्षणों में कुछ मौके गंवाना भारी पड़ा। उन्होंने कहा, हम निराश हैं क्योंकि हमें भरोसा था कि हम आगे जा सकते हैं। हमने अच्छा खेला लेकिन दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक ने मौके का फायदा उठाया। हमें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। देसाब्रे ने आगे कहा कि डीआर कांगो में फुटबॉल लगातार सुधार की ओर है और यह टीम के लिए सीखने का अनुभव है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी इस स्तर के मैच खेलकर और बेहतर बनेंगे और भविष्य में मजबूत वापसी करेंगे।

हम फेवरेट नहीं, बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ मैच से पहले बोले अमेरिका के हेड कोच

सैन फ्रांसिस्को एजेंसी। अमेरिका के हेड कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने कहा है कि उनकी टीम राउंड ऑफ 32 में होने वाले मुकाबले में हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। अमेरिका का राउंड ऑफ 32 में बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ मैच होना। फीफा विश्व कप 2026 की सह-मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे और ऑस्ट्रेलिया को हराकर ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहते हुए नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालीफाई किया था। मौरिसियो पोचेटिनो ने फीफा से बात करते हुए कहा, बोस्निया और हर्जेगोविना एक बहुत ही जुझारू और आक्रामक टीम है। वे अच्छी तरह से व्यवस्थित भी हैं। जब आप मार्च में इटली के खिलाफ उनके ग्रुप-स्टेज मैच या क्वालीफायर देखते हैं, तो आप देख सकते हैं कि उनमें क्वालिटी है। उनके पास शानदार खिलाड़ी और कोच हैं, जो उन्हें प्रदर्शन करने के लिए प्लेटफॉर्म देते हैं।

अर्जेंटीना के पूर्व डिफेंडर ने यह भी बताया कि वह टूर्नामेंट शुरू होने से बहुत पहले से ही अपने खिलाड़ियों को नॉकआउट के लिए मानसिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। हम हर मैच को एक जरूरी मैच की तरह ले रहे हैं। पैराग्वे के खिलाफ मैच भी हमारे लिए फाइनल की तरह था।

पोचेटिनो ने कहा कि उनके कोचिंग स्टाफ ने पेनल्टी शूटआउट की संभावना के लिए तैयारी पर भी काफी ध्यान दिया है।

उन्होंने कहा, अगर पेनल्टी की बात आती है तो हम तैयार रहेंगे। हमने उस क्षेत्र में काम करना शुरू कर दिया है। मुझे लगता है कि यह वाकई जरूरी है। मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। हम इस पर काम कर रहे हैं क्योंकि, एक कोचिंग स्टाफ के तौर पर, हमारा मानना ??है कि हम खिलाड़ियों को बेहतर होने के लिए टूल्स दे सकते हैं और उन्हें इस तरह के हालात से निपटने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढने में मदद कर सकते हैं पोचेटिनो ने कहा कि टूर्नामेंट के हाल के नतीजों से पता चला है कि नॉकआउट राउंड में कोई आसान विरोधी नहीं है। हम बोस्निया और हर्जेगोविना का पूरा सम्मान करते हैं।

लिटन जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर, तौहीद संभालेंगे कमान

ढाका एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच को पारी और 85 रन के अंतर से गंवाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान किया है। तौहीद हिरदॉय को कप्तान नियुक्त किया गया है। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण नियमित कप्तान लिटन दास, ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज, तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और हसन महमूद इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह हिरदॉय का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी करने का दूसरा मौका होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मुकाबलों की घरेलू सीरीज में टीम की कमान संभाली थी, उस समय लिटन पिंडली की चोट के कारण उपलब्ध नहीं थे। नियमित कप्तान लिटन दास पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि वे जिम्बाब्वे दौरे के दूसरे वनडे से पहले फिट हो जाएंगे। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का आयोजन 17 जुलाई से 8 अगस्त के बीच होगा। बांग्लादेश के चार खिलाड़ियों को एलपीएल में खेलने के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दिया गया है।

न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका, वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए बेन सियर्स

ऑकलैंड एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज बेन सियर्स टखने की चोट के कारण पूरी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेन सियर्स की जगह पर 16 सदस्यीय टीम में बेन लिस्टर को शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि सियर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ चार दिन के टेस्ट के बाद से टखने में लगातार दर्द हो रहा था, जो ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन और बढ़ गया। इसी कारण एतहियात के तौर पर उन्हें इलाज के लिए न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया गया है। लिस्टर आने वाले दिनों में गुयाना में न्यूजीलैंड टीम के साथ मिलेंगे। 30 साल के मध्यम गति के तेज गेंदबाज लिस्टर ने 2023 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। वह न्यूजीलैंड के लिए अब तक कुल 17 इंटरनेशनल मुकाबले (4 वनडे और 13 टी20) खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 17 विकेट निकाले हैं। वह अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहे थे। न्यूजीलैंड की टीम अपने तेज गेंदबाजों की इंजरी से खासा परेशान है। सियर्स से पहले ब्लेयर टिकनर भी टखने की तय सर्जरी के कारण स्वदेश लौट चुके हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहे थे। वहीं, जैकब डफी अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड में हाल ही में हुई टेस्ट सीरीज़ में नहीं खेल पाए थे। काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओरूर्के 2026 के पहले हाफ में वर्कलोड मैनेज करने के लिए इस सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। पांच मैचों की सीरीज गुयाना में शुरू होगी, जिसके पहले तीन मैच 11, 13 और 16 जुलाई को होंगे, जिसके बाद सीरीज के आखिरी दो मैच 19 और 21 जुलाई को बारबाडोस के ब्रिजटाउन में होंगे।

महिला टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगी इंग्लैंड की कप्तान नट साइवर-ब्रंट

लंदन एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाना है। सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर यह है कि टीम की कप्तान नट साइवर-ब्रंट को फिट घोषित कर दिया गया है। साइवर-ब्रंट ने बुधवार को द ओवल में मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्लेइंग इलेवन में अपनी वापसी कन्फर्म करते हुए कहा, हमने सच में अपना सब कुछ झोंक दिया। मैं शारीरिक रूप से जहां हूं, उससे बहुत खुश हूं। मेडिकल टीम खुश है। मैं पूरे गेम में हिस्सा ले पा रही हूं। मैं बहुत खुश हूं। साइवर-ब्रंट की वापसी से इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन को मजबूती मिली है। उनकी मौजूदगी से टीम को एक गेंदबाजी का विकल्प भी मिलता है, जिससे टीम में संतुलन आता है। साउथैम्प्टन में आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान साइवर-ब्रंट रिटायर्ड हर्ट हो गई थीं। उससे पहले ब्रंट अप्रैल के आखिर में घरेलू क्रिकेट खेलते समय इंजर्ड हो गई थीं और इस वजह से भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाई थीं। ब्रंट ने टूर्नामेंट से पहले दोनों वार्म-अप मैच खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 3, जबकि भारत के खिलाफ 57 रन बनाए थे। इसके बाद वर्ल्ड कप में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ क्रमशः 46 और 48 रन बनाए। इंग्लैंड अपने सभी पांच ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची है। कप्तान नट साइवर-ब्रंट की वापसी से पहले से ही मजबूत टीम और भी बेहतर हो गई है। इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उनका टॉप ऑर्डर है, जिसे टूर्नामेंट की टॉप रन-स्कोरर डैनी वायट-हॉज लीड कर रही हैं। अनुभवी ओपनर ने पांच पारियों में 94 की औसत से 282 रन बनाए हैं। इसमें द ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 89 रन की पारी शामिल हैं। उन्हें पहले ही तीन प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिल चुके हैं।

जनकहाई में जवा पुलिस की जन चौपाल, ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत भवन जनकहाई में जवा पुलिस द्वारा जन चौपाल का आयोजन किया गया कार्यक्रम डभौरा एसडीओपी नारायण सिंह कुम्हरे के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ इसका उद्देश्य ग्रामीणों को कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा नशा मुक्ति और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था जन चौपाल में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री और सेवन से दूर रहने की अपील की साथ ही महिलाओं की सुरक्षा सामाजिक सहभागिता और अपराधों की सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाने पर जोर देते हुए किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर जागरूकता पर विशेष चर्चा की गई थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई स्कैम ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, साइबर बुलिंग डेटा चोरी और फर्जी निवेश योजनाओं जैसी साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए उन्होंने लोगों से किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा ओटीपी पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की अपील की जन चौपाल में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न अधिकारियों के समक्ष रखे, जिनका मौके पर समाधान एवं मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी नारायण सिंह कुम्हरे, थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह, आरक्षक सूरज सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, जनकहाई के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गांवों की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करेगी वीबी-जीराम जी योजना : सांसद

योजना में 125 दिन के रोजगार की गारंटी और 300 रुपए प्रतिदिन मजदूरी का है प्रावधान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका और रोजगार को नई दिशा देने के लिए शुरू किए गए महत्वाकां अभियान विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जीराम जी योजना शुरू की गई है। योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आन्ध्रप्रदेश के तिरुपति जिले में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि का यह दिन हमारे ग्रामीण भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित

होने जा रहा है। वीबी जीराम जी योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हमारे गांवों की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने का संकल्प है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका का जो संकल्प तिरुपति से लिया गया है, उसकी गूंज आज रीवा के हर गांव में सुनाई दे रही है। हर हाथ को काम मिले और हर ग्रामीण परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो। जब हमारे गांवों की माताएं, बहनें और युवा आत्मनिर्भर होंगे तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा वर्ष 2047 तक भारत को एक महाशक्ति और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह योजना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी नई योजना से गांव के विकास को गति मिलेगी मजदूरों को तीन सौ रुपए प्रतिदिन बढ़ी हुई मजदूरी मिलेगी इस योजना से जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे हमें भविष्य को देखते हुए कम पानी में उपज देने वाली फसलों की ओर जाना होगा मैं रीवा के हर नागरिक किसान युवा और स्व-सहायता समूह की दीदियों से अपील करता हूं कि वे इस मिशन से जुड़ें और अपनी आजीविका को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं कार्यक्रम में गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह ने कहा कि नई योजना में मजदूरों को रोजगार के अवसर मिलेंगे ग्रामीण क्षेत्र में अधोसंरचना के विकास कार्यों में तेजी आएगी जिससे गांव का समग्र विकास होगा उन्होंने इस योजना को क्रांतिकारी कदम बताया जिला पंचायत अध्यक्ष मती नीता कोल ने कहा कि यह ग्रामीण भारत की सबसे बड़ी रोजगार योजना है। इस नई योजना में मजदूरों और ग्रामीणों के लिए कई बड़े सुधार किए गए हैं कार्यक्रम में जिला पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने योजना के उद्देश्यों और ग्रामीण स्तर पर इसके क्रियान्वयन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के स्थायी अवसर और आजीविका के नए साधन विकसित किए जाएंगे जिले की सभी जनपद और ग्राम पंचायतों में भी वीबी-जीराम जी योजना के शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

रीवा की युवती की हत्या मामले में एफआईआर दर्ज, तीन आरोपियों की गिरफ्तारी; परिजनों ने निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की एक युवती की हत्या से जुड़े मामले में नया मोड़ सामने आया है। परिजनों की शिकायत और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस के समक्ष पहुंचने के बाद संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज की गई पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है परिजनों के अनुसार गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम तमरी निवासी तीरथ साकेत की पुत्री गोल्डी साकेत की सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक से पहचान हुई थी परिवार का आरोप है कि युवक ने अपनी पहचान छिपाकर युवती से संपर्क किया और बाद में उसे अपने साथ ले गया परिजनों का

कहना है कि युवती पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया और विरोध करने पर 10 मई को उसकी हत्या कर दी गई आरोप है कि शव को प्रयागराज के एक कब्रिस्तान में दफना दिया गया परिवार ने बताया कि युवती की तलाश के दौरान उन्हें 6 जून को घटना की जानकारी मिली इसके बाद वे प्रयागराज पहुंचे और स्थानीय पुलिस से शिकायत की उनका आरोप है कि शुरुआती स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई बाद में सामाजिक संगठनों के सक्रिय होने के बाद 16 जून को शव को कब्र से बाहर निकालकर 17 जून को पोस्टमार्टम कराया गया बजरंग सेना के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामशंकर मिश्रा ने परिजनों के साथ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की संगठन के प्रदेश महामंत्री सुमंत सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों ने भी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की पत्रकारों से चर्चा के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया वहीं पुलिस का कहना है कि दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तेज बारिश के बाद जलभराव वाले क्षेत्रों में नगर निगम की त्वरित कार्रवाई, आयुक्त ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गुरुवार दोपहर हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनने पर नगर निगम रीवा ने तत्काल राहत एवं जल निकासी कार्य शुरू कर दिए नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने स्वयं शहर के जलभराव वाले क्षेत्रों एवं चिन्हित हॉटस्पॉट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए नगर निगम का बाढ़ राहत कंट्रोल रूम पूरी तरह सक्रिय रहा। कंट्रोल रूम में प्राप्त जलभराव एवं जल निकासी संबंधी शिकायतों पर निगम की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जेसीबी मशीनों तथा मैन्युअल संसाधनों की सहायता से नालियों की सफाई, अवरोध हटाने और जल निकासी की व्यवस्था की नगर निगम के अनुसार वार्ड क्रमांक 15 में दून पब्लिक स्कूल के सामने सड़क पर जलभराव एवं गड्ढों, वार्ड

4 और 12 में नालियों में पानी भरने, वार्ड 7 में आरआईटी कॉम्प्लेक्स एवं खूंटेही क्षेत्र, वार्ड 13 में रिलायंस पेट्रोल पंप के पास नई नाली निर्माण के बाद जल निकासी बाधित होने, वार्ड 16 के आजाद नगर तथा वार्ड 26 के अंबेडकर नगर में जलभराव की शिकायतों का मौके पर पहुंचकर निराकरण किया गया सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर भी निगम ने त्वरित कार्रवाई की। इनमें विकास कॉलोनी स्थित सीआईडी कार्यालय परिसर, पद्मधर कॉलोनी, छोटी पुल, बीड़ा रोड, सिमरिया तिराहा, शिवधाम कॉलोनी, संजीवनी हॉस्पिटल क्षेत्र, संगम नगर, सोंधिया बस्ती, भवानी नगर और हरिजन बस्ती जैसे क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था कर स्थिति सामान्य बनाने के प्रयास किए गए नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने अधिकारियों और मैदानी अमले को वर्षाकाल के दौरान प्रत्येक शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि जलभराव, नालियों के अवरोध या अन्य वर्षाकालीन समस्याओं की सूचना बाढ़ राहत कंट्रोल रूम अथवा नगर निगम के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर दें, ताकि समयबद्ध कार्रवाई कर जनसुविधाएं सुचारु रखी जा सकें।

स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, हर वार्ड में दिखे सफाई का असर : महापौर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम सभागार में गुरुवार को महापौर अजय मिश्रा बाबा ने निगम आयुक्त अक्षत जैन की उपस्थिति में शहर की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में सफाई व्यवस्था प्रभावी हो तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए महापौर ने शहर के मुख्य मार्गों, डिवाइडरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता निरीक्षकों से प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था की निगरानी करने और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने को कहा। जिन वार्डों में सफाई कर्मचारियों की कमी है, वहां

अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए बैठक में रैमकी एजेंसी द्वारा कुछ वार्डों में डीजल की कमी के कारण कचरा संग्रहण वाहनों का नियमित संचालन प्रभावित होने का मामला सामने आया। इस पर महापौर ने तत्काल समस्या का समाधान कर सभी वार्डों में नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सफाई कार्य को गति देने के लिए पर्याप्त संख्या में हाथठेले उपलब्ध कराने तथा उनके सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था करने को भी कहा। साथ ही मानस भवन के समीप लंबे समय से पड़े कचरे को प्राथमिकता के आधार पर हटाने के निर्देश दिए बैठक में एमआईसी सदस्य गुलाम अहमद, कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार सहित नगर निगम के अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक और रैमकी कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टीआरएस महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय ठाकुर रणमत सिंह (टीआरएस) महाविद्यालय रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ एवं शैक्षणिक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण विभागीय कार्यप्रणाली शैक्षणिक गतिविधियों तथा उच्च शिक्षा एवं रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना था विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए समाजशास्त्र विभाग की

उपलब्धियों शोध गतिविधियों अकादमिक कार्यक्रमों तथा विषय में उपलब्ध करियर के अवसरों की जानकारी दी उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन अनुसंधानपरक दृष्टिकोण विकसित करने और विभागीय गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया डॉ. महानंद द्विवेदी ने अनुशासन समयपालन और सकारात्मक सोच को विद्यार्थी जीवन की सफलता का आधार बताया डॉ. शाहेदा सिद्दीकी ने नियमित उपस्थिति,महाविद्यालयीन नियमों एवं ड्रेस कोड के पालन पर बल दिया। डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव ने पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों के अधिकतम उपयोग की सलाह देते हुए विद्यार्थियों को महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध शैक्षणिक सूचनाओं से नियमित रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया डॉ. निशा सिंह एवं डॉ. प्रियंका पाण्डेय ने विभाग में वर्षभर आयोजित होने वाले सेमिनार कार्यशालाओं व्याख्यानमालाओं शैक्षणिक भ्रमण तथा शोध गतिविधियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इन आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर एवं केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण कर विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम का संचालन प्रो. शालिनी पाण्डेय ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. फरजाना बानों ने व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में योगेश निगम एवं रत्नेश मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। अंत में विद्यार्थियों ने शिक्षकों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और नए शैक्षणिक सत्र के प्रति उत्साह व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर मिलतें हैं 25 हजार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं तथा इनमें होने वाली असमय मौतों को रोकने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं इसके तहत सड़क दुर्घटनाओं की मानीटरिंग तथा तत्परता से राहत और बचाव के लिए ई डॉर पोर्टल शुरू किया गया है दुर्घटना पीड़ितों को निर्भय होकर तत्परता से सहायता पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित किया जा रहा है इसके लिए लागू राह-वीर योजना से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती है यह योजना मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई है।

दिव्यगवां महाविद्यालय में 'कॉलेज चलो अभियान' को लेकर ब्लॉक स्तरीय बैठक, पांच केंद्रों पर लगेगा प्रवेश मेला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, दिव्यगवां में गुरुवार को 'कॉलेज चलो अभियान' के द्वितीय चरण के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कॉलेज चलो मेला आयोजित करने को लेकर सेमिनार हॉल में बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, मेले की तिथियां तथा विद्यार्थियों के प्रवेश संबंधी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि 3 जुलाई से 13 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न स्थानों पर कॉलेज चलो मेले का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 एवं 4 जुलाई को जवा, 6 एवं 7 जुलाई को डभौरा, 8 एवं 9 जुलाई को पटेहरा, 10 एवं 11 जुलाई को पनवार तथा 13 जुलाई को अतरैला एवं बरहुला में प्रवेश मेले लगाए जाएंगे मेले में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का मौके पर ही पंजीयन एवं प्रवेश किया जाएगा साथ ही मेधावी, संबल एवं अन्य पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को नियमानुसार निःशुल्क प्रवेश की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी इसके लिए महाविद्यालय की टीम आवश्यक दस्तावेजों एवं कंप्यूटर व्यवस्था के साथ सभी निर्धारित केंद्रों पर उपस्थित रहेगी, ताकि विद्यार्थियों का प्रवेश कार्य सरल और त्वरित ढंग से पूरा किया जा सके महाविद्यालय प्रबंधन ने जवा तहसील क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे कॉलेज चलो मेले में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें तथा शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्ति, संबल योजना और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करें बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार यादव ने की। इस अवसर पर कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. अरुणेंद्र कुमार पाण्डेय सहित डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार पाठक, डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. राघवेश सिंह राठौर, डॉ. राजेश कुमार बुनकर, डॉ. वृष्णु देव प्रजापति, डॉ. किरण साकेत, डॉ. वियोग सिंह, राजकुमार पाण्डेय, विजय शंकर पाण्डेय एवं राजीव कुमार दुबे सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले अधिकारी संवेदनशीलता से करें कार्य : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के दिव्यांगजनों से जुड़ी समस्याओं एवं मांगों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में दिव्यांग प्रतिनिधियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र दिव्यांगजनों तक पहुंचाने, दिव्यांग पेंशन का नियमित भुगतान सुनिश्चित करने बैंकों के माध्यम से स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराने, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में प्राथमिकता देने तथा पात्र दिव्यांगजनों के नाम गरीबी रेखा (बीपीएल) सूची में शामिल किए जाने की मांग रखी कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों और लंबित प्रकरणों की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य यह होना चाहिए कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन शासन की योजनाओं से वंचित न रहे बैठक के दौरान दिव्यांग प्रतिनिधियों ने यह सुझाव भी दिया कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भविष्य में आवंटित होने वाली शासकीय दुकानों में दिव्यांगजनों के लिए निर्धारित कोटा सुनिश्चित किया जाए, जिससे उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिल सकें इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ करने तथा नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए कलेक्टर संजय कुमार जैन ने अधिकारियों से कहा कि दिव्यांगजनों के मामलों का निराकरण संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एसडीएम मऊगंज ए.पी. द्विवेदी, जनपद पंचायत मऊगंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परमानंद तिवारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।